# जनहितैषी

जनहितैषी अब janhitaishinews.com पर भी

हिन्दी दैनिक

R.N.I. No. 64278/96 वर्ष:29 अंक: 43 दिनांक:16-06-2024 रविवार मूल्य : 1 रूपया 50 पैसा पृष्ठ:4 वडोदरा M




प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और इटली की पीएम जॉर्जिया मेलोनी ने शनिवार को सोशल मीडिया पर मुस्कुराते हुए एक पांच सेकंड का सेल्फी वीडियो पोस्ट किया। अब यह वीडियो रिकॉर्ड बनाने की ओर है।



सोमवार को नागपुर में 'कार्यकर्ता विकास वर्ग-2' के समापन में संघ प्रमुख मोहन भागवत ने 'जो काम करें पर मैंने किया इसका अहंकार ना पालें, वही सही सेवक है', 'विरोधी की जगह प्रतिपक्ष कहना चाहिए' मणिपुर एक साल से शांति की राह देख रहा है' जैसी कई बातें कहीं।

## टेंपो ट्रैवलर नदी में गिरा, 14की मौत

नई दिल्ली (ईएमएस)। उत्तराखंड में हुए सड़क हादसे में मृतकों की संख्या बढ़कर 14 हो गयी है। सूत्रों ने बताया कि इस दुर्घटना में सड़क किनारे खड़े लोगों को भी चोटें आई हैं। उत्तराखंड के स्टेट डिजास्टर रेस्पॉन्स फोर्स से मिली जानकारी के अनुसार, हादसे के दौरान वाहन अचानक अनियंत्रित होकर सड़क से करीब 500 मीटर नीचे अलकनंदा नदी में जा गिरा। प्रधानमंत्री कार्यालय ने मरने वालों के परिवारों को 2 लाख रुपये और घायलों को 50,000 रुपये के मुआवजे की घोषणा की है।

एसडीआरएफ के मुताबिक, दुर्घटनास्थल पर गहरी खाई होने के कारण अत्यधिक विषम परिस्थितियों में कड़ी मशक्कत करते हुए बचाव और राहत दल के कर्मी नीचे पहुंचे तथा शवों एवं घायलों को बाहर निकाला। दुर्घटना के दौरान एक महिला गाड़ी से छिटककर लगभग 80 मीटर नीचे झाड़ियों में अटक गई थीं। एसडीआरएफ के जवानों ने उसे सुरक्षित बाहर निकालकर अस्पताल भिजवाया।

गढ़वाल के पुलिस महानिरीक्षक के एस नगन्याल ने बताया कि हादसे का शिकार हुए पर्यटक चोपता घूमने जा रहे थे, लेकिन गंतव्य तक पहुंचने से पहले ही उनका वाहन दुर्घटनाग्रस्त हो गया। उन्होंने बताया कि टेम्पो ट्रैवलर में सवार ज्यादातर लोग दिल्ली के रहने वाले थे।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने मारे गए लोगों के परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त की है। साथ ही उन्होंने घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की।

उन्होंने कहा, रुद्रप्रयाग, उत्तराखंड में एक सड़क दुर्घटना में अनेक लोगों की मृत्यु होने का समाचार दुखद है। मैं शोक संतप्त परिवारजनों के प्रति गहन संवेदना व्यक्त करती हूं और घायल हुए लोगों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करती हूं।

पीएमओ ने प्रधानमंत्री मोदी के हवाले से कहा, उत्तराखंड के रुद्रप्रयाग में सड़क दुर्घटना हृदय विदारक है। इसमें अपने प्रियजनों को खोने वाले शोक संतप्त परिवारों के प्रति मेरी गहरी संवेदना है। साथ ही मैं सभी घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करता हूं। राज्य सरकार की देखरेख में स्थानीय प्रशासन पीड़ितों की हरसंभव मदद में लगा हुआ है।

उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने इस घटना को अत्यंत पीड़ादायक समाचार बताते हुए कहा कि जिला मजिस्ट्रेट को दुर्घटना की जांच के आदेश दे दिए गए हैं।

पुलिस महानिरीक्षक ने बताया कि मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के निर्देश पर दुर्घटना में गंभीर रूप से घायल सात व्यक्तियों को हेलीकाप्टर एंबुलेंस के जरिए अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स)-ऋषिकेश में भर्ती करा दिया गया है।

धामी दुर्घटना के घायलों का हाल-चाल जानने एम्स -ऋषिकेश पहुंचे और चिकित्सकों से उनके इलाज के बारे में जानकारी लेते हुए घायलों को बेहतर इलाज उपलब्ध कराने को कहा। उन्होंने घायलों के परिजनों से भी संपर्क कर राज्य सरकार की ओर से उन्हें हर संभव मदद का आश्वासन दिया है।

इस मौके पर मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में वाहन दुर्घटनाओं पर प्रभावी नियंत्रण के लिए भी अधिकारियों को निर्देश दिए गए हैं।

## कर्नाटक में पेट्रोल-डीजल 3 रुपए महंगे हुए

सेल्स टैक्स बढ़ाने से दाम बढ़े

बेंगलुरु (ईएमएस)। कर्नाटक राज्य सरकार ने पेट्रोल-डीजल के दाम में बढ़ा दिए है। सरकार ने पेट्रोल 3 रुपए प्रति लीटर बढ़ा दिया है, जबकि डीजल के दाम में 3.02 रुपए का इजाफा किया है। यह बढ़ोतरी कर्नाटक सेल्स टैक्स में संशोधन के बाद हुई है।

राज्य सरकार की अधिसूचना के अनुसार, पेट्रोल पर कर्नाटक सेल्स टैक्स 25.92 प्रतिशत से बढ़ाकर 29.84 प्रतिशत और डीजल पर 14.3 प्रतिशत से बढ़ाकर 18.4 प्रतिशत कर दिया है। इस बढ़ोतरी के बाद बेंगलुरु में पेट्रोल 99.84 रुपए लीटर और डीजल 85.93 रुपए लीटर हो गया है।

## कांग्रेस ने 99 सीटें क्या जीतीं आतंकवादी फिर सक्रिय हो गए

-बीजेपी के आईटी सेल के प्रमुख ने कांग्रेस पर लगाए आरोप

नई दिल्ली,( ईएमएस )। लोकसभा चुनाव में बीजेपी के बाद कांग्रेस ही सबसे ज्यादा सीटें हासिल कर सकी है। बीजेपी ने 240 तो कांग्रेस ने 99 सीटों पर जीत हासिल की है। अब कांग्रेस पर बीजेपी ने आरोप लगाया है कि कांग्रेस ने 99 सीटें क्या जीतीं देश में आतंकवादी समूह फिर सक्रिय हो गए हैं।

बीजेपी के आईटी सेल के प्रमुख अमित मालवीय ने शनिवार को एक्स पर एक पोस्ट में कहा, कांग्रेस 99 पर क्या पहुंची, आतंकवादी समूह सक्रिय हो गए हैं। एक तरफ विपक्ष फैजाबाद में बीजेपी की हार का जश्न मना रहा है तो दूसरी तरफ जैश-ए-मोहम्मद अयोध्या में राम मंदिर को उड़ाने की धमकी दे रहा है। कांग्रेस की तरह, उन्हें भी जल्द ही एहसास होगा कि 99 पर कोई केवल नैतिक जीत का ही दावा कर सकता है, सरकार बनाने का नहीं। मुंहतोड़ जवाब मिलेगा।

लोकसभा चुनाव में बीजेपी उम्मीदवार के अयोध्या से हारने के बाद और पूरे देश के नतीजे आने के बाद से ही विपक्षी दल बीजेपी की जीत पर सवाल उठा रहे हैं। अयोध्या की हार को बीजेपी के लिए बड़ी हार बताते हुए विपक्षी दल लोकसभा में बीजेपी की सीटों की संख्या कम होने पर भी कटाक्ष कर रहे हैं। उनका दावा है कि यह बीजेपी की नैतिक हार है।

उल्लेखनीय है कि पिछले कुछ दिनों में जम्मू कश्मीर में आतंकवादी घटनाओं में भी बढ़ोतरी देखी गई है। आतंकवादी संगठन जैश-ए-मोहम्मद ने अयोध्या में राम मंदिर को बम से उड़ाने की धमकी दी है। आतंकी धमकी के मद्देनजर अयोध्या में सुरक्षा-व्यवस्था और मजबूत कर दी गई है।

## कल तक साथ चुनाव लड़ने वाले आज दिल्ली सरकार का कर रहे विरोध

## पानी की किल्लत को लेकर कांग्रेस सड़कों पर उतरी, आप के खिलाफ मटका फोड़ प्रदर्शन

नई दिल्ली,( ईएमएस )। लोकसभा चुनाव में इंडिया गठबंधन के साथ कांग्रेस और आम आदमी पार्टी ने मिलकर चुनाव लड़ा था। चुनाव में मिली हार के बाद दोनों ने अपने अपने रास्ते बदल लिए हैं और अब कांग्रेस दिल्ली में पानी को लेकर मचे हाहाकार के चलते दिल्ली सरकार को घेरा है।

शनिवार को दिल्ली के अलग-अलग इलाकों में कांग्रेस ने दिल्ली सरकार के खिलाफ मटका फोड़ प्रदर्शन कर रही है। दिल्ली में पिछले कई दिनों से भीषण गर्मी के चलते तापमान बढ़ा हुआ है वहीं दिल्ली के कई इलाकों में पानी की किल्लत से लोग परेशान है। आलम यह है कि कई इलाकों में टैंकर से पानी पहुंचाया जा रहा है लेकिन टैंकर समय पर नहीं पहुंचने के कारण लोगों का काम धंधे पर जाना मुश्किल हो गया है। पानी को लेकर पर आप सरकार बीजेपी के निशाने पर तो थी अब कांग्रेस ने भी उस पर हमले करना शुरु कर दिए हैं।

कांग्रेस का यह प्रदर्शन शनिवार सुबह 11 बजे शुरू हुआ युसूफ सराय गोविंदपुरी और दिल्ली के लगभग 280 ब्लॉकों में कांग्रेस कार्यकर्ता दिल्ली सरकारा के खिलाफ प्रदर्शन किया।

पानी की किल्लत को लेकर आप के खिलाफ कांग्रेस का प्रदर्शन का ऐलान करने के साथ ही बीजेपी ने कांग्रेस पर चुटकी ली। दिल्ली बीजेपी मीडिया प्रमुख प्रवीण शंकर कपूर ने कहा है कि कांग्रेस को आप के विरूद्ध प्रदर्शन की घोषणा करते देख दिल्ली वालों को ऐसा लग रहा है मानों नौ सौ चूहे खा कर बिल्ली हज को चली कहावत सही साबित हो रही है।

कपूर ने आगे कहा है कि दिल्ली के लोग हैरान हैं कि जो कांग्रेस दस दिन पहले तक आम आदमी पार्टी से जय और वीरू की दोस्ती का दम भरती थी आज उसे उसी पार्टी में भ्रष्टाचार नज़र आने लगा है। उन्होंने कहा है कि कांग्रेस नेता अब जितना मर्जी आप के विरोध का नाटक करें लेकिन दिल्ली और देश की जनता आप के भ्रष्टाचार के पापों को माफ नहीं करेगी उसी तरह कांग्रेस नेताओं की मौकापरस्ती को भी माफ नहीं करेगी।

## आगरा में चौंकाने वाला मामला हुआ उजागर, 24 घंटे में 55 पुलिस वाले निलंबित

आगरा( ईएमएस )। लोकसभा चुनाव के चलते आचार संहिता लगाई गई थी। पुलिस और तमाम अफसर चुनाव में बहुत ज्यादा व्यस्त थे। ऐसे में कुछ पुलिस कर्मियों को लगा कि सभी व्यस्त हैं कोई देखने वाला नहीं है। फिर क्या था पासपोर्ट के नाम पर पुलिसकर्मियों ने लूट मचा दी। जब यह मामला वरिष्ठ अधिकारियों की जानकारी में आया तो एक साथ 55 पुलिस कर्मियों को निलंबित कर दिया। साथ ही चेतावनी दे दी की आगरा में नौकरी करना है तो ईमानदारी से करें अन्यथा अपना ट्रांसफर भी करवा सकते हैं। तीन पुलिसकर्मी डीसीपी सिटी सूरज कुमार राय के समक्ष पेश हुए। दरोगा ने डीसीपी सिटी के समक्ष अपना पक्ष रखा। कहा कि उसकी चौकी पर प्रतिदिन दो-चार पासपोर्ट रिपोर्ट के मामले आते थे। वह रुपये लेता तो सभी आवेदक शिकायत करते। पासपोर्ट रिपोर्ट के लिए बीट सिपाही जाते हैं। पता नहीं उसका नाम किसने थाने से बता दिया। जिस आवेदक की शिकायत पर निलंबन हुआ है उससे पूछा जाए कि रुपये किसके हाथ में दिए थे। वहीं एक सिपाही ने कहा कि वह सीसीटीएनएस में तैनात है। पासपोर्ट से उसका कोई लेना-देना नहीं है। उसका नाम थाने से गलत नोट कराया गया है।एक अन्य सिपाही ने भी अपनी सफाई पेश। डीसीपी सिटी सूरज कुमार राय ने पुलिस कर्मियों को भरोसा दिलाया कि इस मामले की जांच कराएंगे। उनके खिलाफ कोई साक्ष्य नहीं होगा तो उनकी बहाली हो जाएगी। उनके पास सभी नाम फीड बैक सेल से आए थे।

आगरा कमिश्नरेट में 24 घंटे में 55 पुलिसकर्मियों के निलंबन से खलबली मच गई है। सबसे ज्यादा प्रशिक्षु दरोगा दहशत में हैं। निलंबित पुलिस कर्मियों में पांच प्रशिक्षु दरोगा भी शामिल हैं। उनकी नौकरी खतरे में पड़ गई है। इतने बड़े स्तर पर हुई कार्रवाई की धमक लखनऊ तक पहुंच गई है। कई पुलिसकर्मी ऐसे हैं जो निलंबन के बाद खुद को निर्दोष बता रहे हैं। पुलिस आयुक्त जे रविन्दर गौड ने बताया कि लोकसभा चुनाव आचार संहिता लगने के बाद किसी पुलिसकर्मी के खिलाफ कार्रवाई नहीं हुई थी। पुलिस फोर्स भी 40 दिन चुनाव में व्यस्त रहा। कुछ पुलिसकर्मियों ने इसी माहौल का फायदा उठाना शुरू कर दिया। जबकि सभी को निर्देश थे कि फीड बैक सेल की नजर पुलिस पर रहेगी। दो दिन में 55 पुलिसकर्मियों का निलंबन हुआ है।

## ईडी ने पूर्व एमएलसी मोहम्मद इकबाल की जब्त की 4440 करोड़ की संपत्ति

सहारनपुर ( ईएमएस )। प्रवर्तन निदेशालय ( ईडी ) ने बहुजन समाज पार्टी के पूर्व एमएलसी मोहम्मद इकबाल पर बड़ी कार्रवाई की है। अवैध खनन से जुड़े मामले में प्रवर्तन निदेशालय ने मोहम्मद इकबाल की ग्लोकल यूनिवर्सिटी की 121 एकड़ जमीन और सभी भवनों को जब्त कर लिया है। बताया जा रहा है कि जब्त की गई संपत्ति का मूल्य तकरीबन 4,440 करोड़ रुपये है।

विदित हो कि पूर्व एमएलसी से जुड़े कई मामलों में सीबीआई समेत कई केंद्रीय एजेंसियां जांच कर रही हैं। बसपा सरकार में हुए बहुचर्चित चीनी मिल घोटाले में प्रवर्तन निदेशालय इकबाल के विरुद्ध जांच कर रहा है। इस मामले में साल 2021 में पूर्व एमएलसी की 1097 करोड़ रुपये की संपत्ति जब्त की जा चुकी है। प्रवर्तन निदेशालय के तरफ से कहा गया है कि मोहम्मद इकबाल ने साल 2010 से 2012 के मध्य सहारनपुर व उसके आसपास अवैध खनन से 500 करोड़ रुपये से अधिक रुपये जुटाए थे। बाद में इस आय को उसने ग्लोकल यूनिवर्सिटी में निवेश किया था। प्रवर्तन निदेशालय के अनुसार अब्दुल वहीद एजुकेशनल एंड चैरिटेबल ट्रस्ट के माध्यम से मोहम्मद इकबाल ने इस जमीन को खरीदा था और इस पर यूनिवर्सिटी का निर्माण कराया था।

प्रवर्तन निदेशालय के अधिकारियों के अनुसार, मोहम्मद इकबाल इस समय फरार है और उसके दुबई भागने की आशंका है। उसके चार बेटे व भाई अलग-अलग मामलों में जेल में बंद हैं। जिस अब्दुल वहीद एजुकेशनल एंड चैरिटेबल ट्रस्ट ने यूनिवर्सिटी का निर्माण कराया था उसका चेयरमैन मोहम्मद इकबाल ही था। इस मामले की जाँच 10 वर्ष साल पहले सीबीआई ने शुरू की थी। अवैध खनन के मामले में पट्टा धारक महमूद अली, दिलशाद, मुहम्मद इनाम, महबूब आलम ( अब मृत ), नसीम अहमद, अमित जैन, नरेंद्र कुमार जैन, विकास अग्रवाल, मुहम्मद इकबाल का बेटा मुहम्मद वाजिद, मुकेश जैन, पुनीत जैन को आरोपित बनाया गया है।

## नागपुर में नाबालिग ने तेज रफ़्तार कार से 5 लोगों को मारी टक्कर

नागपुर ( ईएमएस )। महाराष्ट्र में एक बार फिर रफ्तार का कहर देखने को मिला है। नागपुर के नंदनवन इलाके में एक नाबालिग ने स्कोडा कार से सड़क के किनारे खड़े 5 लोगों को टक्कर मार दी, जिनमें से दो लोगों का अब भी अस्पताल में इलाज चल रहा है, जबकि 3 को प्राथमिक उपचार के बार घर जाने दिया गया है। गैरेज में काम करने वाला यह नाबालिग कार को पार्क करने की बजाय उसे सड़क पर दौड़ाने लगा। इस दौरान ब्रेक की बजाय उसका पैर एक्सीलेटर पर पड गया और कार बेकाबू होकर सड़क के किनारे खड़ी ठेला गाड़ी से टकरा गई।

पुलिस ने नाबालिग को हिरासत में लेकर उसके रक्त के नमूने को जांच के लिए भेज दिया है और गैरेज मालिक और स्कोडा कार मालिक से भी पूछताछ कर रही है। ज्ञात रहे कि इससे पहले दोस्तों संग पार्टी करने गए पुणे के एक रईसजादे ने दो परिवार की खुशियों को पूरी तरह से उजाड़ दिया था। उसने अपनी महंगी लग्जरी कार से बाइक से जा रहे दो आईटी इंजीनियरों की जान ले ली थी।

## भारत में तीन साल में सबसे ज्यादा वित्तीय धोखाधड़ी के शिकार हुए लोग

302 जिलों में यूपीआई और क्रेडिट कार्ड पर हुआ सर्वे

नई दिल्ली,( ईएमएस )। आजकल साइबर धोखाधड़ी के मामले आए दिन सुनने को मिलते हैं। पिछले तीन सालों में करीब कई भारतीय वित्तीय धोखाधड़ी के शिकार हुए हैं। लोकल सर्किल्स द्वारा किए सर्वे से पता चलता है कि भारत में वित्तीय धोखाधड़ी आम बात हो गई है। इससे फ्रॉड की चिंताजनक तस्वीर सामने आई है। सर्वे में 302 जिलों के 23 हजार उत्तरदाताओं में से करीब आधे यानी 47 फीसदी लोग किसी न किसी तरह की वित्तीय धोखाधड़ी के शिकार हुए हैं।

इन घटनाओं में यूपीआई और क्रेडिट कार्ड से जुड़े मामले सबसे ज़्यादा हैं। हाल ही में हुए सर्वे में दो मुख्य क्षेत्रों यूपीआई और क्रेडिट कार्ड पर सर्वे हुआ। क्रेडिट कार्ड धोखाधड़ी शिकार हुए आधे से ज़्यादा 53फीसदी उत्तरदाताओं ने घरेलू और अंतरराष्ट्रीय व्यापारियों या वेबसाइटों द्वारा लगाए गए अनधिकृत शुल्कों की शिकायत की है। इस सर्वे में हिस्सा लेने वाले लोगों की एक बड़ी संख्या 36फीसदी ने यूपीआई के जरिए धोखाधड़ी वाले लेन-देन की भी सूचना दी है।

सर्वे में यह बात सामने आई है कि कम रिपोर्टिंग दर ने समस्या को और बढ़ा दिया है। लोकल सर्किल्स का अनुमान है कि दस में से छह भारतीय अधिकारी तो वित्तीय धोखाधड़ी की शिकायत ही दर्ज नहीं कराते हैं। रिपोर्टिंग की कमी के कारण समस्या के सही पैमाने को ट्रैक करना और कार्रवाई करना मुश्किल हो जाता है।

सर्वे में इस समस्या से निपटने के लिए कुछ उपाय भी बताए गए हैं, जिनकी मदद से लोग आसानी से बच सकते हैं। कंज्यूमर की सुरक्षा के लिए मजबूत सुरक्षा उपायों और धोखाधड़ी रोकथाम प्रणालियों को लागू करना जरूरी है। लोगों में जागरुकता फैलाना है ताकि उन्हें खुद की सुरक्षा करने के लिए सशक्त बनाया जा सके।

सर्वे में आरबीआई के आंकड़ों की जानकारी दी गई है। वित्त वर्ष 2024 में धोखाधड़ी के मामलों का कुल आकड़ा 13,930 करोड़ रुपए था, जो पिछले साल के मुकाबले करीब आधा है। हालांकि मामलों की संख्या में 166फीसदी की चौंका देने वाली वृद्धि देखी गई है। वित्तीय धोखाधड़ी की बढ़ोतरी और कम रिपोर्टिंग दर को बताते हुए सर्वे में अधिकारियों और नागरिकों दोनों के लिए चेतावनी जारी की है। इस बढ़ते खतरे से निपटने के लिए मजबूत सुरक्षा उपायों को लागू करना और जागरूकता बढ़ाना जरुरी कदम हैं।

## नागा संगठनों ने गृहमंत्री अमित शाह से अवैध म्यांमार अप्रवासियों को वापस भेजने का कहा

इंफाल ( ईएमएस )। मणिपुर के कई नागा नागरिक निकायों और संगठनों ने गृह मंत्री अमित शाह से अवैध म्यांमार अप्रवासियों को उनके देश वापस भेजने के लिए कहा है। सूत्रों ने बताया कि नागा संगठनों ने इस सप्ताह की शुरुआत में गृह मंत्री को एक ज्ञापन सौंपकर अवैध म्यांमार अप्रवासियों को निर्वासित करने का अनुरोध किया था। ज्ञापन में बताया गया है कि म्यांमार से सटे मणिपुर के कामजोंग जिले के आठ तांगखुल गांवों में म्यांमार के लगभग 5,457 अवैध अप्रवासियों को शरण दी जा रही है और उनकी संख्या स्थानीय निवासियों से अधिक है।

हाल ही में भारत-म्यांमार सीमा क्षेत्रों का दौरा करने के बाद यूनाइटेड नागा काउंसिल ( यूएनसी ), नागा महिला संघ ( एनडब्ल्यूयू ), ऑल नागा स्टूडेंट्स एसोसिएशन मणिपुर ( एएनएसएएम ) और नागा पीपुल्स मूवमेंट फॉर ह्यूमन राइट्स ( एनपीएम-एचआर ) ने गृह मंत्री को ज्ञापन सौंप कर यह मांग की थी।

यूएनसी के एक नेता ने कहा कि अप्रवासियों का एक वर्ग अवैध और असामाजिक गतिविधियों में शामिल है और कानून लागू करने वाली एजेंसियां ऐसी गतिविधियों को प्रभावी ढंग से नियंत्रित करने में असमर्थ हैं। मणिपुर गृह विभाग के एक अधिकारी ने कहा कि राज्य सरकार ने विदेश मंत्रालय और केंद्रीय सुरक्षा बलों के साथ समन्वय में 8 मार्च से तीन चरणों में महिलाओं और बच्चों सहित 115 म्यांमार नागरिकों को निर्वासित किया है। म्यांमार के अप्रवासियों को मणिपुर के तेंगनौपाल जिले में मोरेह सीमा के माध्यम से निर्वासित किया गया है।

मणिपुर की म्यांमार के साथ लगभग 400 किमी लंबी बिना बाड़ वाली सीमा है। मणिपुर के मुख्यमंत्री एन बीरेन सिंह ने पहले कहा था कि हालांकि भारत ने 1951 शरणार्थी सम्मेलन में हस्ताक्षर नहीं किया है, लेकिन उसने मानवीय आधार पर म्यांमार में संकट से भागने वालों को आश्रय और सहायता दी है। तीन साल से अधिक समय पहले, जब से सेना ने म्यांमार पर कब्जा किया है, तब से कम से कम 8,000 म्यांमारवासियों ने मणिपुर के तेंगनौपाल, चंदेल, चुराचांदपुर और कामजोंग जिलों में शरण ली है, जबकि 36,000 से अधिक लोगों ने मिजोरम में शरण ली है।

गृह मंत्रालय ( एमएचए ) की सलाह के बाद, मणिपुर सरकार राज्य में शरण लिए हुए म्यांमार के नागरिकों का बायोमेट्रिक विवरण एकत्र कर रही है।

## आंध्रप्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री जगन मोहन रेड्डी के घर का अवैध निर्माण किया गया ध्वस्त

हैदराबाद ( ईएमएस )। हैदराबाद महानगर निगम ( जीएचएमसी ) ने आंध्रप्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री वाई एस जगन मोहन रेड्डी के लोटस पॉन्ड आवास से लगे फुटपाथ पर अवैध निर्माण को ध्वस्त कर दिया। कांग्रेस शासित तेलंगाना में यह कार्रवाई रेड्डी के आंध्रप्रदेश के मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा देने के 10 दिन बाद की गई है। इसे कांग्रेस की आंध्र के मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू को खुश करने की कोशिशों से जोड़कर देखा जा रहा है जो फिलहाल भाजपा नीत गठबंधन के साथ केंद्र और राज्य सरकार में हैं।

उधर वाईएसआर कांग्रेस के सूत्रों ने बताया कि ये निर्माण कार्य बारिश एवं गर्मी के दौरान सुरक्षाकर्मियों की सुविधा के लिए किये गए हैं।

## भारतीय सिनेमा को 110 पूरे होने पर डाक विभाग ने जारी किया टिकट

-अमिताभ बच्चन बोले-फिल्म हेरिटेज फाउंडेशन के लिए यह सम्मान की बात

नई दिल्ली,( ईएमएस )। भारत में फिल्म इंस्ट्रीज को 110 साल हो गए हैं। इस अवसर पर भारतीय डाक विभाग ने 2014-2024 को भारतीय सिनेमा की विरासत का संरक्षण करने का दशक घोषित किया है और स्पेशल डाक टिकट जारी किया। इस घोषणा पर इस सदी के महानायक और फिल्म अभिनेता अमिताभ बच्चन ने खुशी जताई है। साल 2014 में भारतीय सिनेमा ने अपने 100 साल पूरे किए थे। इसी साल फिल्म हेरिटेज फाउंडेशन की स्थापना की गई थी। इस संस्था ने भारत की क्लासिक और ऐतिहासिक फिल्मों के संरक्षण पर काम शुरू हुआ।

फिल्म हेरीटेज फाउंडेशन के इस मुहीम के ब्रांड एम्बेसडर बने हैं। वह हाल में हुए इवेंट में शामिल हुए और इस मुहीम की तारीफ की। अमिताभ बच्चन ने सोशल मीडिया अकाउंट पर कई तस्वीरों के साथ एक पोस्ट शेयर की। पहली दो तस्वीरों में डाक टिकट और और फिल्म हेरिटेज फाउंडेशन पर बेस्ड पोस्टेज है। अमिताभ बच्चन ने लिखा कि भारतीय डाक विभाग की ओर से फिल्म हेरिटेज फाउंडेशन के लिए यह सम्मान की बात है। भारतीय डाक विभाग ने फिल्म हेरिटेज फाउंडेशन के अथक प्रयासों के सम्मान में एक विशेष कवर जारी किया है। अमिताभ बच्चन मुझे एक ऐसे संगठन का एम्बेसडर होने पर बहुत गर्व है जो फ्यूचर जनरेशन के लिए हमारी फिल्म विरासत को संरक्षित करने के लिए एक अटूट जुनून और कमिट से इंस्पायर है, जिसने पिछले दस सालों में हमारी लुप्त हो रही फिल्म विरासत को बचाए रखा, पुनर्स्थापित किया और प्रदर्शित भी किया है।

## पंजाब में महंगी हुई बिजली

चंडीगढ़ ( ईएमएस )। पंजाब में घरेलू और औद्योगिक बिजली के दाम बढ़ाने की घोषणा की गई। नए दाम 16 जून से लागू हो जाएंगे, लेकिन सरकार ने जनता को बड़ी राहत दी है। सरकार ने सिर्फ उन 300 यूनिट को 10-12 पैसे प्रति यूनिट महंगा किया है जो सरकार जनता को मुफ्त दे रही है। यानी जनता पर इसका बोझ नहीं पड़ेगा। इस बोझ को राज्य सरकार खुद वहन करेगी। 300 से ऊपर की यूनिट के रेट में कोई बदलाव नहीं किया गया है। वहीं औद्योगिक क्षेत्र की बिजली 15 पैसे प्रति यूनिट महंगी की गई है। पंजाब स्टेट इलेक्ट्रिसिटी रेगुलेटरी कमीशन ने इस संबंध में शुक्रवार को घोषणा की। कहा गया कि 15 जून तक पुराने रेट पर ही बिजली बिल आएंगे। प्रदेश में 77.46 लाख घरेलू उपभोक्ता है। खेतीबाड़ी क्षेत्र के लिए भी बिजली मुफ्त है। गैर आवासीय आपूर्ति उपभोक्ताओं के लिए दरों में कोई बदलाव नहीं किया गया है। एग्रीकल्चर पंप सेट के लिए बिजली रेट 6.55 रुपये से बढ़ाकर 6.70 रुपये कर दिए हैं।

## नीट घोटाले पर महासंग्राम... शिक्षा मंत्री का घेराव... कई गिरफ्तार

10-10 लाख देकर चुनिंदा सेंटरों पर करवाई नकल

नई दिल्ली( ईएमएस )। मेडिकल में प्रवेश के लिए होने वाली नीट परीक्षा में हुई धांधली को लेकर कई चौंकाने वाले खुलासे हो रहे हैं। बताया जा रहा है कि बिहार सहित कई राज्यों में 10-10 लाख रुपए लेकर सेंटरों को लीक पर्चा पहुंचाया गया और छात्रों से लाखों रुपए लेकर नकल करवाई गई। इस पूरे मामले में बिहार के सेंटर संचालक परशुराम रॉय का नाम सामने आ रहा है। रॉय ने ही उन सेंटरों से डील की थी जहां पर लीक पर्चे भेजे गए थे। उधर बिहार में मिले जले प्रश्न-पत्र के मामले की जांच कर रही ईओयू ने कई चौंकाने वाले खुलासे किए। जांच में ईओयू ने 13 से अधिक अभ्यार्थी और उनके परिजनों को पूछताछ के लिए बुलाया है। मामले की जांच कर रही ईओयू ने इस मामले में 4 छात्रों को गिरफ्तार किया है। बताया जा रहा है कि यह वे छात्र हैं जिन्हें पहले से लीक पर्चा मिल गया था और साल्वर के माध्यम से इन छात्रों के नाम पर किसी अन्य ने परीक्षा दी थी। वहीं नीट घोटाले को लेकर कल शाम यूथ कांग्रेस ने केन्द्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान के घर का घेराव किया। घेराव के दौरान छात्र संगठन और पुलिस के बीच झड़प हुई और कई लोगों को गिरफ्तार भी किया गया है।

इलेक्ट्रानिक डिवाइस से 30 छात्रों को करवाई नकल

ईओयू की जांच में इस बात का खुलासा हुआ कि जिन सेंटरों से 10-10 लाख रुपए देकर लीक पर्चे भेजे गए थे वहां पर 30 छात्रों को इलेक्ट्रानिक डिवाइस के माध्यम से नकल करवाई गई थी। जांच एजेंसी ने इलेक्ट्रानिक डिवाइस, मोबाइल व अन्य सामग्री बरामद कर ली है। बताया जार हा है कि बिहार के अलावा ओडिशा, कर्नाटक सहित अन्य राज्यों के सेंटरों और छात्रों से इस तरह की डील की गई थी।

छात्रों से मिले शिक्षा मंत्री जांच का दिया आश्वासन

केन्द्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान ने कल छात्र संगठन से मुलाकात कर उन्हें आश्वस्त किया कि छात्रों के हित का ध्यान रखेंगे। हालांकि उन्होंने कहा था कि नीट परीक्षा में किसी तरह की कोई धांधली नहीं हुई है और इसे विपक्ष का पोपोगंडा बताया था, लेकिन अब जिस तरह देशभर में नीट परीक्षा में गड़बड़ी के खुलासे हो रहे हैं। अब सरकार भी बैकफुट पर नजर आ रही है।

## केरल से भाजपा के इकलौते सांसद बोले इंदिरा गांधी मदर ऑफ इंडिया

त्रिशूर( ईएमएस )। केंद्रीय मंत्री सुरेश गोपी ने पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी को मदर ऑफ इंडिया और कांग्रेस नेता व केरल के मुख्यमंत्री रहे दिवंगत के. करुणाकरण को साहसी प्रशासक बताया है। भाजपा नेता ने करुणाकरण और मार्क्सवादी दिग्गज ईके नायनार को अपना राजनीतिक गुरु बताया। गोपी पुन्कुन्नाम स्थित करुणाकरण के स्मारक मुरली मंदिरम का दौरा करने के बाद संवाददाताओं से बात कर रहे थे।

सुरेश गोपी ने के. करुणाकरण के बेटे और कांग्रेस नेता के. मुरलीधरन की उम्मीदों पर पानी फेरते हुए त्रिशूर लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र से जीत दर्ज की है। त्रिशूर सीट पर त्रिकोणीय मुकाबले में मुरलीधरन तीसरे स्थान पर रहे थे। उन्होंने मीडियाकर्मियों से आग्रह किया कि वे करुणाकरण के स्मारक की उनकी यात्रा को राजनीति से न जोड़ें। भाजपा नेता ने कहा कि वह यहां अपने गुरु के प्रति सम्मान व्यक्त करने आए हैं। उन्होंने कहा कि नायनार और उनकी पत्नी सारदा टीचर की तरह के. करुणाकरण और उनकी पत्नी कल्याणीकुट्टी अम्मा के साथ भी उनके करीबी रिश्ते हैं। सुरेश गोपी ने 12 जून को कन्नूर में ईके नायनार के घर का दौरा किया था और उनके परिवार के सदस्यों से मुलाकात की थी। गोपी ने कहा कि वह इंदिरा गांधी को भारतथिंते मथावु ( भारत की मां ) के रूप में देखते हैं और के. करुणाकरण को केरल में कांग्रेस पार्टी के जनक मानते हैं।

## छत्तीसगढ़ में फोर्स ने 8 नक्सलियों को मार गिराया अबूझमाड़ में एक जवान शहीद, 2 घायल; 161 दिन में 141 माओवादी ढेर

जगदलपुर ( ईएमएस )। छत्तीसगढ़-महाराष्ट्र राज्य की सीमा पर नारायणपुर के अबूझमाड़ के कुतुल इलाके में पुलिस और नक्सलियों के बीच मुठभेड़ चल रही है। एनकाउंटर में जवानों ने 8 माओवादियों को ढेर कर दिया है। सभी के शव बरामद कर लिए गए हैं। इस मुठभेड़ में एसटीएस का 1 जवान शहीद हो गया है और दो घायल हैं, जिन्हें रायपुर एयर लिफ्ट किया जा रहा है। इस साल जनवरी से अब तक 161 दिन में जवानों ने 141 नक्सली ढेर किए हैं।

पुलिस को सूचना मिली थी कि कुतुल, फरसबेड़ा, कोड़तामेटा इलाके में भारी संख्या में नक्सली मौजूद हैं। इसके बाद बस्तर संभाग के जगदलपुर, दंतेवाड़ा, कोंडागांव और कांकेर से डीआरजी और एसटीएफ के करीब 1400 जवानों ऑपरेशन के लिए भेजे गए। पिछले 3 दिनों से डीआरजी, आईटीबीपी, एटीएफ, और बीएसएफ जवानों ने ऑपरेशन चलाया था। मौके से बंदूक और भारी मात्रा में हथियार और विस्फोटक मिले हैं। एक दिन पहले भी जवानों की इस संयुक्त टीम के साथ दिनभर रुक-रुककर गोलीबारी हुई थी।

सीएम साय ने जवान की शहादत पर जताया दुख

नारायणपुर जिले के ओरछा थाना के अंतर्गत फरसबेड़ा-धुरबेड़ा के बीच सुरक्षाबलों की नक्सलियों संग हुई मुठभेड़ में 8 नक्सलियों के मारे जाने की खबर है। मुठभेड़ में एसटीएफ के एक जवान के शहीद होने और 2 जवानों के घायल होने की भी दुःखद खबर आ रही है। घायल जवानों को तत्काल एयरलिफ्ट कर इलाज के लिए राजधानी रायपुर लाया जा रहा है। ईश्वर से शहीद जवान की आत्मा की शांति और घायल जवानों के जल्द से जल्द स्वस्थ होने की प्रार्थना करता हूं। नक्सलियों के खिलाफ हो रही कड़ी कार्रवाई से नक्सली विचलित हैं। उनके खात्मे के लिए हमारी सरकार पूरी तरह तत्पर है और जब तक लक्ष्य पूरा नहीं हो जाता हम चुप नहीं बैठेंगे।

7 दिन पहले 7 नक्सली मारे गए

दंतेवाड़ा, नारायणपुर और बस्तर जिले की सीमा में मुठभेड़ हुई थी। जिसमें नक्सलियों ने 7 नक्सलियों को मार गिराया था। मारे गए नक्सलियों के शव समेत हथियार भी बरामद किए थे। मारे गए नक्सलियों में एक छ्ङ्कष्टरू कैडर का कंपनी कमांडर था। जिस पर 8 लाख रुपए का इनाम घोषित है। वहीं 3 जवान भी जख्मी हुए हैं।

जून माह में 12 नक्सली मारे गए

सुरक्षाबलों ने पिछले महीने 12 नक्सलियों को मार गिराया था। मौके से क्वत्ररु, बंदूक, नक्सल वर्दी, पिठ्ठ्, दवाइयां, और विस्फोटक मिले। वहीं मुठभेड़ के दौरान स्ञ्जस्न और छ्वक्रत्र के दो जवान भी घायल हुए। इस साल जनवरी से अब तक 161 दिन में जवानों ने करीब 134 नक्सली ढेर किए हैं।

# जन हितैषी

## साधु के भेष में सीता का अपहरण के कारण हुआ रावण का वध

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के वरिष्ठ पदाधिकारी और मुस्लिम राष्ट्रीय मंच के प्रमुख इंद्रेश कुमार ने हाल ही में बयान देकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और संघ परिवार के बीच में जो मतभेद थे, उनको उजागर कर दिया है। यह मतभेद इतने बढ़ चुके हैं, जिसमें संघ और भारतीय जनता पार्टी को बचाने के लिए अब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से सीधी लड़ाई लड़ी जा रही है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के इंद्रेश कुमार ने जयपुर में कहा भगवान सभी के साथ न्याय करते हैं। वर्ष 2024 के लोकसभा चुनाव में जिस पार्टी को राम की भक्ति से शक्ति का प्रसाद मिलना था। भगवान राम ने जिन्हें शक्ति दी थी। उनसे शक्ति छीन ली है। उन्होंने सीधे भाजपा को इंगित करते हुए कहा, भगवान राम ने बड़ी पार्टी के रूप में भाजपा को आशीर्वाद दिया था। जब भाजपा में अहंकार आ गया, भगवान राम की मर्यादाओं का उल्लंघन किया। मर्यादाओं का उल्लंघन करने और अहंकार के कारण भगवान राम ने भाजपा को 234 सीटों पर लाकर खड़ा कर दिया है। भाजपा के 2024 के लोकसभा चुनाव के प्रदर्शन पर इन दिनों संघ प्रमुख मोहन भागवत और इंद्रेश कुमार द्वारा दिए गए बयानों के कारण भारत की राजनीति में तूफान आ गया है। राजनीतिक हल्कों में इसके कई मायने निकाले जा रहे हैं। पिछले 5 वर्षों में संघ से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की दूरियां बढ़ती चली जा रहीं थीं। सत्ता का विराट स्वरूप प्रधानमंत्री के आसपास था। सत्ता की सारी शक्तियां उनके पास थीं। जिसके डर और भय के कारण विरोध करना उस समय किसी के लिए संभव नहीं था। जिसने भी विरोध किया, उसे राजदंड सहना पड़ा। इसका फायदा उठाते हुए नरेंद्र मोदी और अमित शाह की जोड़ी ने भाजपा संगठन में मनमाने तरीके से नियुक्तियां कीं। सरकार ने अपने हिसाब से नीतियां बनाईं। भाजपा संगठन और संघ का कोई भी अंकुश सरकार के ऊपर नहीं रहा। जिसके कारण प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अनियंत्रित हो गए। अपार शक्ति के कारण विश्वासघात की प्रवृत्ति और अहंकार के कारण वर्तमान स्थिति का निर्माण हुआ। भारतीय जनता पार्टी की स्थिति में संघ और भाजपा संगठन को बचाए रखने के लिए संघ ने अब मोर्चा खोल दिया है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के 100 वर्ष पूर्ण होने जा रहे हैं। भारतीय जनता पार्टी में सांस्कृतिक और वैचारिक पृष्ठभूमि के कारण संघ की मातृ संगठन के रूप में हमेशा से पूजनीय भूमिका थी। हिंदू महासभा जनसंघ और भाजपा में, हमेशा से संघ का प्रभुत्व रहा है। संघ द्वारा जो नीतियां बनाई जाती थीं राजनीतिक पार्टी के रूप में जनसंघ और भाजपा उन विचारों को आगे बढाने का काम करती थी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पिछले 10 वर्षों में इस परंपरा को खत्म कर दिया। भाजपा के स्पष्ट बहुमत पाने का पूरा श्रेय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने स्वयं ले लिया। दूसरे कार्यकाल में और ज्यादा सफलता मिली। उसके बाद सारी मर्यादा तोड़कर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी स्वयंभू हो गए थे। वह अपने ही मातृ संगठन से अलग होकर स्वयं निर्णय करने लगे थे। इंद्रेश कुमार के अनुसार, भगवान राम के साथ विश्वासघात करते हुए नरेंद्र मोदी अहंकारी हो गए थे। ऐसी स्थिति में भगवान को सबक सिखाना ही था। 2024 के लोकसभा चुनाव में भगवान राम ने कर्म फल के रूप में नरेंद्र मोदी के अहंकार को समाप्त किया है। विश्वास घात करने की सजा के रूप में उन्हें स्पष्ट बहुमत तक नहीं पहुंचने दिया।

जब रावण का वध हुआ था। उस समय रावण ने भगवान शिव से पूछा था, भगवान आपने मेरी रक्षा नहीं की। इस पर भगवान शिव ने अपने सबसे बड़े परम भक्त रावण को कहा था, मैंने तुम्हें एक रक्षा के रूप में वरदान दिया था। तुम्हारी रक्षा करने का वचन दिया था। राक्षस के स्वरूप में रहते हुए तुम जो भी कर रहे थे। उसमें तुम्हारी रक्षा के लिए मैं वचनबद्ध था। लेकिन तुमने साधु के भेष में सीता माता का अपहरण करके उस वरदान को भंग कर दिया था। जिसके कारण मैं तुम्हारी रक्षा नहीं कर सका। कुछ इसी तरह की स्थिति अब संघ परिवार और भारतीय जनता पार्टी के बीच में देखने को मिल रही है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ 100 साल पुरानी संस्था को बचाये रखने और अपने राजनीतिक संगठन भाजपा को बचाने के लिए सरकार के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। सरकार मतलब नरेंद्र मोदी से अब आर-पार की लड़ाई लड़ने का मन संघ परिवार ने बना लिया है। इसके दो ही परिणाम हैं। किसी एक को जीतना और किसी एक को हारना पड़ेगा। संस्था हमेशा शक्तिशाली और बड़ी होती है। जब भी किसी संस्था और व्यक्ति के बीच में मुकाबला होता है। उस मुकाबले में व्यक्ति को ही हार का सामना करना पड़ता है। भारत की जो राजनीतिक स्थितियां हैं उसमें संघ का खुलकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का विरोध करने से बड़ी तेजी के साथ राजनीतिक समीकरण बनेंगे और बिगड़ेंगे। इसको लेकर भारतीय जनता पार्टी की साथ-साथ अन्य राजनीतिक दलों पर भी इसका असर पड़ना तय है। वर्तमान केंद्र सरकार पर भी इसका असर पड़ना तय माना जा रहा है।

# भारतीय समाज में पिता की अवधारणा

(अंतर्राष्ट्रीय फादर डे 16 जून। 2024 के विशेष अवसर पर लेख)

भारतीय संस्कृति में पिता परिवार की धुरी होता है। उसका स्थान सर्वोपरि है। पांडव वनवास के समय जंगल में घूम रहे थे। वे प्यास से व्याकुल होने के कारण जलाशय, ढूँढ रहे थे। उन्हें एक स्थान पर जलाशय मिला। सर्वप्रथम सहदेव जलाशय पर पहुँचा। उसने हाथ में जल लेकर पीने का प्रयत्न किया। सहसा एक अदृश्य आवाज ने सहदेव से कहा कि मेरे प्रश्नों के उत्तर देकर ही जल ग्रहण करो। परन्तु सहदेव ने जल पी लिया और वह अचेत हो गया। उसके बाद नकुल, अर्जुन तथा भीम की भी वही स्थिति हुई। अंत में धर्मराज युधिष्ठिर आये। अपने चारों भाईयों की मृतप्राय अवस्था देखकर उन्हें शंका हुई। वे भी जलाशय के पास पहुँचे। अदृश्य आवाज से उन्होंने परिचय पूछा। वह एक यक्ष की आवाज थी। उसने युधिष्ठिर से अठारह प्रश्न पूछे। सही उत्तर प्राप्त होने पर चारों भाई जीवित हो गये। उन प्रश्नों में एक प्रश्न था कि आकाश से ऊँचा कौन है? युधिष्ठिर ने तपाक से उत्तर दिया, ''पिता''। वास्तव में सर्वोच्च स्थान पिता को ही प्राप्त है।

पिता बालक को उसकी जीवन यात्रा में सही दिशा प्रदान करते हैं। उसे स्वअनुशासित जीवन व्यतीत करने के लिए प्रेरित करते हैं। वह चाहते हैं कि उनका पुत्र उद्दंड न बने। सही रास्ता अपनाकर जीवन में उत्तरोत्तर ऊँचाइयों को प्राप्त कर पिता का नाम रोशन करे। पिता की अभिलाषा रहती है कि उनकी सन्तान बलिष्ठ बनें, किसी के सामने झुके नहीं और प्रत्येक समस्या का निदान निडर होकर करे। पिता सर्वदा हर क्षण कदम - कदम पर आने वाली समस्याओं के प्रति सचेत करते रहते हैं। एक सफल पिता की यह हार्दिक अभिलाषा रहती है कि जो कष्ट उन्होंने स्वयं उठाए हैं वह उनकी संतान को न उठाने पड़े। पिता चाहते हैं कि उनकी सन्तान जीवन में किसी से धोखा न खाये और समस्याओं का निदान निपुणता से बिना झुंझलाहट के कर लें। संस्कृत साहित्य के किसी विद्वान् कवि ने कहा हैः -

जननी जन्मभूमिश्च जाह्नवी च जनार्दनः।

जनकः पंचमश्चैव जकाराः पंच दुर्लभाः।।

अर्थात् ये पाँच ''ज कार'' इस संसार में दुर्लभ है। जननी (माता), जन्मभूमि (स्वदेश) जाह्नवी (गंगा नदी), जनार्दन (भगवान श्रीकृष्ण) तथा जनकः (पिता) इन पाचों का सुख संसार में भाग्यशाली व्यक्ति को ही प्राप्त होता है।

भगवान विष्णु के साक्षात् अवतार श्रीराम को माता कैकेयी के हठ के कारण पिता दशरथ जी वन को भेजते हैं तो भगवान श्रीराम धीर - गंभीर होकर सहर्ष स्वीकार कर लेते हैं। जननी कौसल्या से वन गमन की आज्ञा माँगने जाते हैं। माता कौसल्या के हृदय की विशालता देखिये -

सरल सुभाउ राम महतारी। बोली वचन धीर धरि भारी।।

तात जाउँ बलि कीन्हेउ नीका। पितु आयसु सव धरमक टीका।।

श्रीरामचरितमानस, अयो. दो. 54 चै. 4

अर्थात् सरल स्वभाव वाली श्रीरामचन्द्रजी की माता बड़ा धीरज धरकर वचन बोलीं - हे तात! मैं बलिहारी जाती हूँ, तुमने अच्छा किया। पिता की आज्ञा का पालन करना ही सब धर्मों का शिरोमणि धर्म है।

पिता का स्नेह केवल पुत्र पर ही नहीं पुत्री पर भी उतना ही रहता है। मनोवैज्ञानिकों के मतानुसार पिता अपनी पुत्री पर अधिक स्नेह करते हैं। माँ यदि अपनी बेटी को यदा - कदा डाँटती है, दुनिया की ऊँच - नीच के बारे में उसे कुछ समझाती है तो पिता माँ को एक झिड़की देकर टोक देता है और कहते हैं कि समय आने पर, जिम्मेदारी सिर पर पड़ने पर मेरी लाड़ली सब कुछ कर लेगी। वह तुमसे भी अच्छी बनेगी।

बचपन में मैंने किसी पत्रिका में एक कहानी पढ़ी थी। सुज्ञ पाठकगण। उसका रसास्वादन करें। माता - पिता अपनी लाड़ली के लिए वर तलाश रहे थे। प्रत्येक लड़के में कुछ न कुछ मीन - मेख निकाली जा रही थी। पिता का कथन था कि मैं अपनी बेटी के लिए ऐसा राजकुमार सा वर ढूँढना चाहता हूँ जो मेरी लाड़ली को राजरानी बनाकर रखे और उसे किसी भी प्रकार की कमी न होने दे। मेरी बेटी उसके साथ हमेशा हँसती खिलखिलाती रहे आदि - आदि। बेटी ने पिता के कन्धे पर हाथ रख कर पूछा - पिता जी मेरे नाना जी ने भी आप में ऐसा ही राजकुमार ढूँढा होगा, फिर आप माँ को क्यों हमेशा उलहना देकर रूलाते रहते हो ऐसी होती है एक पिता की पुत्री के प्रति स्नेहासक्ति। ससुराल में भी बेटी की बिदाई के समय आशीर्वाद स्वरूप पिता का सिर पर रखा हाथ सर्वदा स्मरण रहता है। पुत्री पिता के सुख - दुःख का सहारा बनना चाहती है, पर वह अपने बाल - बच्चों की व्यस्तता में पिता को याद तो कर ही लेती है।

आधुनिक एकल परिवार तथा व्यस्त जीवन शैली ने हमारे संवेदनात्मक मानवीय रिश्तों को समाप्त सा कर दिया है। लिखित पत्रों के माध्यम से भी दूरी बन गई है। केवल फोन तथा व्हाट्सएप पर ही सुख - दुःख के समाचार भेजकर तथा पढ़कर आत्मीयता व्यक्त कर दी जाती है और इसी में सुखानुभूति कर ली जाती है। सब की अपनी - अपनी विवशता है। पुत्र हो या पुत्री पिता परिवार का संबल है और उसका वर्चस्व सर्वोपरि है। आज भी पिता का स्थान परिवार में केन्द्र बिन्दु का है। (लेखिका- डॉ. श्रीमती शारदा मेहता / ईएमएस)

# अधिक ऋण के बोझ तले वैश्विक अर्थव्यवस्था कहीं चरमरा तो नहीं जाएगी

विश्व के समस्त नागरिकों एवं विभिन्न संस्थानों पर लगभग 320 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर का ऋण है। कुल ऋण की उक्त राशि में विभिन्न देशों की सरकारों के ऋण एवं नागरिकों के व्यक्तिगत ऋण भी शामिल है। कई देशों को मुद्रा स्फीति पर नियंत्रण पाने में बहुत कठिनाईयों का सामना करना पड़ रहा है। साथ ही, विकास करने का दबाव विभिन्न देशों की सरकारों पर है अतः सरकारों के साथ साथ व्यक्ति भी बहुत अधिक मात्रा में ऋण ले रहे हैं। परंतु, कितना ऋण प्रत्येक व्यक्ति अथवा सरकार पर होना चाहिए, इस विषय पर भी अब गम्भीरता से विचार किए जाने की आवश्यकता है।

आज विश्व की कुल जनसंख्या 810 करोड़ है और विश्व पर कुल ऋण की राशि 320 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर है इस प्रकार औसत रूप से विश्व के प्रत्येक नागरिक पर 39,000 अमेरिकी डॉलर का ऋण बक़ाया है। 320 लाख करोड़ रुपए के ऋण की राशि में विभिन्न देशों की सरकारों द्वारा लिया गया ऋण, व्यापार एवं उद्योग द्वारा लिया गया ऋण एवं व्यक्तियों द्वारा लिया गया ऋण शामिल है। पूरे विश्व में परिवारों/व्यक्तियों द्वारा 59 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर का ऋण लिया गया है। व्यापार एवं उद्योग द्वारा 164 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर का ऋण लिया गया है। साथ ही, सरकारों द्वारा 97 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर का ऋण लिया गया है, ऋण की इस राशि में एक तिहाई हिस्सा विकासशील देशों की सरकारों द्वारा लिया गया ऋण भी शामिल है। सरकारों द्वारा लिए गए ऋण की राशि पर प्रतिवर्ष 84,700 करोड़ अमेरिकी डॉलर का ब्याज का भुगतान किया जाता है। विश्व में प्रत्येक 3 देशों में से 1 देश द्वारा कल्याणकारी योजनाओं पर खर्च की गई राशि से अधिक राशि ऋण पर ब्याज के रूप में खर्च की जाती है। आकार में छोटी अर्थव्यवस्थाओं के लिए अधिक ऋण लेना सदैव ही बहुत जोखिमभरा निर्णय रहता आया है। पूरे विश्व में सकल घरेलू उत्पाद का आकार 109 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर का है जबकि ऋणराशि का आकार 320 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर का है। इस प्रकार, एक तरह से आय की तुलना में खर्च की जा रही राशि बहुत अधिक है। इसे संतुलित किया जाना अब अति आवश्यक हो गया है अन्यथा कुछ ही समय में पूरे विश्व की अर्थव्यवस्था चरमरा सकती है।

पूरे विश्व में लिए गए भारी भरकम राशि के ऋण के चलते अमीर वर्ग अधिक अमीर होता चला जा रहा है एवं गरीब वर्ग और अधिक गरीब होता चला जा रहा है, क्योंकि अमीर वर्ग ऋण का उपयोग अपने लाभ का लिए कर पा रहा है एवं इस ऋण राशि से अपनी सम्पत्ति में वृद्धि करने में सफल हो रहा है। जबकि, गरीब वर्ग इस ऋण की राशि का उपयोग अपनी देनंदिनी आवश्यकताओं की पूर्ति हेतु करता है और ऋण के जाल में फंसता चला जाता है। इसके साथ ही, हालांकि विश्व में दो विश्व युद्ध हो चुके हैं, वर्तमान में भी रूस यूक्रेन युद्ध एवं इजराईल हमास युद्ध चल ही रहा है। परंतु, फिर भी इस सबका असर अमीर वर्ग पर नहीं के बराबर हो रहा है। हां, गरीब वर्ग जरूर और अधिक गरीब होता जा रहा हैं क्योंकि विश्व के कई देशों में, ब्याज दरों में लगातार की जा रही बढ़ौतरी के बाद भी, मुद्रा स्फीति नियंत्रण में नहीं आ पा रही है। मुद्रा स्फीति का सबसे अधिक बुरा प्रभाव गरीब वर्ग पर ही पड़ता है। अमीर वर्ग (जिनकी सम्पत्ति 2 करोड़ 28 लाख अमेरिकी डॉलर से अधिक है), इनकी संख्या वर्ष 2023 में 5.1 प्रतिशत से बढ़ गई है और इनकी कुल सम्पत्ति 86.8 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर हो गई है और यह भी 5 प्रतिशत की दर से बढ़ गई है। वर्ष 2020 के बाद से विश्व के 5 सबसे अधिक अमीर व्यक्तियों की संपत्ति दुगुनी हो गई है। साथ ही, वर्ष 2020 के बाद से विश्व के बिलिनायर की सम्पत्ति 3 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर से बढ़ गई है। इन कारणों के चलते अमीर और गरीब के बीच की खाई बढ़ती जा रही है। जिस रफ्तार से विश्व में गरीबी कम हो रही है, इससे ध्यान में आता है कि इस धरा से गरीबी को हटाने में अभी 229 वर्ष का समय लगेगा। जैसे जैसे विश्व में विकास की दर तेज हो रही है अमीर व्यक्ति अधिक अमीर होते जा रहे हैं एवं गरीब व्यक्ति अधिक गरीब होते जा रहे हैं। आज से पहिले विश्व में कभी भी इतने अधिक अमीर नागरिक नहीं रहे हैं।

वैश्विक स्तर पर उक्त वर्णित ऋण सम्बंधी भयावह आंकड़ों के बीच अन्य विकसित देशों की तुलना में भारत की स्थिति नियंत्रण में नजर आती है। वैसे भी, ऋण का उपयोग यदि उत्पादक कार्यों के लिए किया जाता है एवं इससे यदि धन अर्जित किया जाता है तो बैकों से ऋण लेना कोई बुरी बात नहीं है। बल्कि, इससे तो व्यापार को विस्तार देने में आसानी होती है और पूंजी की कमी महसूस नहीं होती है। साथ ही, भारतीय नागरिक तो वैसे भी सनातन संस्कृति के अनुपालन को सुनिश्चित करते हुए अपने ऋण की किश्तों का भुगतान समय पर करते नजर आते हैं इससे भारतीय बैकों की अनुत्पादक आस्तियों में कमी दृष्टिगोचर हो रही है।

भारत के बैकों की ऋण राशि में हो रही अतुलनीय वृद्धि के बावजूद, भारत में ऋणःसकल घरेलू उत्पाद अनुपात अन्य विकसित देशों की तुलना में अभी भी बहुत कम है। हालांकि यह वर्ष 2020 में 88.53 प्रतिशत तक पहुंच गया था, क्योंकि पूरे विश्व में ही कोरोना महामारी के चलते आर्थिक व्यवस्था चरमरा गई थी। परंतु, इसके बाद के वर्षों में भारत के ऋणः सकल घरेलू उत्पाद अनुपात में लगातार सुधार दृष्टिगोचर है और यह वर्ष 2021 में 83.75 प्रतिशत एवं वर्ष 2022 में 81.02 प्रतिशत के स्तर पर नीचे आ गया है। साथ ही, भारत के ऋणः सकल घरेलू उत्पाद अनुपात के वर्ष 2028 में 80.5 प्रतिशत के निचले स्तर पर आने की सम्भावना व्यक्त की जा रही है। यदि अन्य देशों के ऋणः सकल घरेलू उत्पाद अनुपात की तुलना भारत के ऋण सकल घरेलू उत्पाद अनुपात के साथ की जाय तो इसमें भारत की स्थिति बहुत सुदृढ़ दिखाई दे रही है। पूरे विश्व में सबसे अधिक ऋणः सकल घरेलू उत्पाद अनुपात जापान में है और यह 255 प्रतिशत के स्तर को पार कर गया है।

इसी प्रकार यह अनुपात सिंगापुर में 168 प्रतिशत है, इटली में 144 प्रतिशत, अमेरिका में 123 प्रतिशत, फ्रान्स में 110 प्रतिशत, कनाडा में 106 प्रतिशत, ब्रिटेन में 104 प्रतिशत एवं चीन में भी भारी भरकम 250 प्रतिशत के स्तर के आसपास बताया जा रहा है।

अर्थात, विश्व के लगभग समस्त विकसित देशों में ऋणः सकल घरेलू उत्पाद अनुपात 100 प्रतिशत के ऊपर ही है। भारत में इस अनुपात का 81 प्रतिशत के आसपास रहना संतोष का विषय माना जा सकता है।

हाल ही के समय में भारत में विनिर्माण इकाईयों की उत्पादन क्षमता का उपयोग बहुत तेजी से बढ़ा है, वित्तीय वर्ष 2022-23 के चौथी तिमाही में विनिर्माण इकाईयों द्वारा अपनी उत्पादन क्षमता का 76.3 प्रतिशत उपयोग किया जा रहा था, जिसके कारण उद्योग जगत को ऋण की अधिक आवश्यकता महसूस हो रही है। बढ़े हुए ऋण की आवश्यकता की पूर्ति भारतीय बैंकें आसानी से करने में सफल रही हैं। यह तथ्य इसलिए भी महत्वपूर्ण है कि विकसित देशों में भी प्रायः यह देखा गया है कि बैंकों द्वारा प्रदत्त ऋण में वृद्धि के साथ उस देश के सकल घरेलू उत्पाद में भी तेज गति से वृद्धि दृष्टिगोचर हुई है। भारत में भी अब यह तथ्य परिलक्षित होता दिखाई दे रहा है। भारत में आर्थिक गतिविधियों में आ रही तेजी के कारण भारतीय अर्थव्यवस्था में भी ऋण की मांग लगातार बढ़ रही है। फिर भी, भारत में कोरपोरेट को प्रदत ऋण का सकल घरेलू उत्पाद से प्रतिशत वर्ष 2015 के 65 प्रतिशत से घटकर वर्ष 2023 में 50 प्रतिशत हो गया है। इसका आशय यह है कि इस दौरान कोरपोरेट ने अपने ऋण का भुगतान किया है एवं उन्होंने सम्भवतः अपनी लाभप्रदता में वृद्धि दर्ज करते हुए अपने लाभ का पूंजी के रूप में पुनर्निवेश किया है।

दूसरे, भारत में विभिन्न बैंकों द्वारा प्रदत्त लम्बी अवधि के ऋण सामान्यतः आस्तियां उत्पन्न करने में सफल रहे हैं, जैसे गृह निर्माण हेतु ऋण अथवा वाहन हेतु ऋण, आदि। इस प्रकार के ऋणों के भविष्य में डूबने की सम्भावना बहुत कम रहती है। बैकों द्वारा खुदरा क्षेत्र में प्रदत्त ऋणों में से 10 प्रतिशत से भी कम ऋण ही प्रतिभूति रहित दिए गए हैं जैसे सरकारी कर्मचारियों को पर्सनल (व्यक्तिगत) ऋण, आदि। पर्सनल ऋण प्रतिभूति रहित जरूर दिए गए हैं परंतु चूंकि यह सरकारी कर्मचारियों सहित नौकरी पेशा नागरिकों को दिए गए हैं, जिनकी मासिक किश्तें समय पर अदा की जाती हैं, अतः इनके भी डूबने की सम्भावना बहुत ही कम रहती है।

इस प्रकार, यह कहा जा सकता है कि भारत में अब बैकों द्वारा ऋण सम्बंधी व्यवसाय बहुत सुरक्षित तरीके से किया जा रहा है। इसी कारण से हाल ही के समय में यह पाया गया है कि भारतीय बैंकों की अनुत्पादक आस्तियों की वृद्धि पर अंकुश लगा है। यह भी संतोष का विषय है कि हाल ही के समय में भारतीय बैंकों से प्रथम बार ऋण लेने वाले नागरिकों की संख्या में भी वृद्धि दर्ज की गई है। इसका आशय यह है कि भारतीय नागरिक जो अक्सर बैकों से ऋण लेने से बचते रहे हैं वे अब बैकों से ऋण लेने के लिए प्रोत्साहित हो रहे हैं क्योंकि इस बीच बैंकों द्वारा प्रदान किए जा रहे ऋण सम्बंधी शर्तों को आसान बनाया गया है।

कुल मिलाकर भारत के संदर्भ में यह कहने में कोई अतिशयोक्ति नहीं होनी चाहिए कि भारतीय नागरिकों में सनातन संस्कृति के संस्कार होने के कारण बैकों से ऋण के रूप में उधार ली गई राशि का समय पर भुगतान किया जाना एक स्वाभाविक प्रक्रिया की तरह माना जाता है, जिसके कारण भारतीय बैंकों के अनुत्पादक आस्तियों की राशि अन्य देशों की बैंकों की तुलना में कम हो रही है। अतः वैश्विक स्तर पर गम्भीर होती ऋण सम्बंधी समास्या का असर भारतीय अर्थव्यवस्था पर सीधे सीधे पड़ता दिखाई नहीं दे रहा है। (लेखक - प्रहलाद सबनानी / ईएमएस)

# गंगा जीवनदायिनी के साथ ही मुक्ति दात्री भी!

(गंगा दशहरा 16 जून पर)

अपने पूर्वजों की आत्मा के उद्धार के लिए भागीरथ गंगा को पृथ्वी पर लेकर आए थे। इसी लिए गंगा दशहरा को गंगा अवतरण के दिन के रूप में मनाया जाता है।इस दिन गंगा स्नान करके दान करने का विशेष महत्व है।गंगा दशहरा ज्येष्ठ मास के शुक्ल पक्ष की दशमी तिथि के दिन मनाया जाता है। हिंदू धर्म में इस तिथि को बेहद ही शुभ माना गया है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार गंगा में डुबकी लगाने से व्यक्ति के पाप धुल जाते हैं और उसे सुख-समृद्धि का आशीर्वाद भी प्राप्त होता है। शास्त्रों में गंगा को मोक्षदायिनी भी कहा गया है। गंगा शिव की जटाओं से निकलती हैं, इसलिए इस दिन शिव की भी पूजा करनी चाहिए।इस बार 16 जून के दिन गंगा दशहरा मनाया जा रहा है। इस दिन स्नान के लिए ब्रह्म मुहूर्त बेहद शुभ होता है। गंगा दशहरा के शुभ अवसर पर सुबह 7 बजकर 8 मिनट से सुबह 10:37 तक शुभ मुहूर्त है। जिस दिन मां गंगा का धरती पर अवतरण हुआ था,उस पवित्र दिन को गंगा दशहरा के रूप में मनाया जाता है। अपने पूर्वजों की आत्मा की शांति के लिए भागीरथ गंगा को पृथ्वी पर लेकर आए थे।जिसके लिए उन्होंने कठिन तपस्या भी की थी। गंगा दशहरा पर हर वर्ष गंगा में आस्था की डुबकी लगाई जाती हैं। ऐसा कहते हैं कि इस दिन गंगा में स्नान करने से 10 प्रकार के पाप मिट जाते हैं।गंगा में डुबकी लगाते समय 'ऊँ नमः शिवायै नारायण्यै दशहरायै गंगायै नमः' मंत्र का उच्चारण करना चाहिए। घर में नहाने के पानी में गंगाजल मिलाकर भी स्नान किया जा सकता हैं।

गंगा दशहरा के दिन दान करने का विशेष महत्व बताया गया है। इस दिन दान-धर्म के कार्य करना बहुत ही शुभ माना जाता है। दशहरा का अर्थ 10 मनोविकारों के विनाश से है। ये दस मनोविकार हैं-क्रोध, लोभ, मोह, मद, मत्सर, अहंकार, आलस्य, हिंसा और चोरी।जिनसे मुक्ति के लिए ज्ञान गंगा का स्नान करने से हम विकारमुक्त होकर पवित्र बन सकते है। राजा भागीरथ की कठोर तपस्या, उनके अथक प्रयास और परिश्रम से इसी दिन गंगा ब्रह्मा जी के कमंडल से निकलकर शिव की जटाओं में विराजमान हुई थी और शिवजी ने अपनी शिखा को खोल कर गंगा को धरती पर जाने की अनुमति दी थी। इसलिए गंगा के धरा अवतरण दिवस को गंगा दशहरा के नाम से जाना जाता है।

गंगा दशहरा के दिन प्रातः काल गंगा में स्नान करके मां गंगा की आरती करने से समस्त पापों का विनाश हो जाने की धार्मिक मान्यता है। गंगा का जल हमेशा पवित्र व गुणकारी होता है,उसमें कभी भी कीड़े नहीं पड़ते और इसका जल प्रदूषित नहीं होता ।इसलिए इस जल में स्नान करने से रोगों का विनाश हो जाता है।

गंगा दशहरा के दिन स्नान, ध्यान और तर्पण करने से शरीर शुद्ध और मानसिक विकारों से मुक्त हो जाता है।अमृत दायिनी मां गंगा के स्पर्श मात्र से ही चराचर जीवो के पापों का अंत हो जाता है और उसे मुक्ति मिल जाती है। कहते है कि एक बार महाराज सगर ने एक बड़ा यज्ञ किया। उस यज्ञ की रक्षा का भार उनके पौत्र अंशुमान ने संभाला। इंद्र ने सगर के यज्ञीय अश्व का अपहरण कर लिया। यह यज्ञ के लिए विघ्न था। परिणाम स्वरूप अंशुमान ने सगर की साठ हजार प्रजा लेकर अश्व को खोजना शुरू कर दिया। सारा भूमंडल खोज लिया पर अश्व नहीं मिला।फिर अश्व को पाताल लोक में खोजने के लिए पृथ्वी को खोदा गया। खुदाई पर उन्होंने देखा कि साक्षात् भगवान महर्षि कपिल के रूप में तपस्या कर रहे हैं। उन्हीं के पास महाराज सगर का अश्व घास चर रहा है। प्रजा उन्हें देखकर चोर-चोर चिल्लाने लगी।

महर्षि कपिल की समाधि टूट गई। ज्यों ही महर्षि ने अपने आग्नेय नेत्र खोले, त्यों ही सारी प्रजा भस्म हो गई। इन मृत लोगों के उद्धार के लिए ही महाराज दिलीप के पुत्र भगीरथ ने कठोर तपस्या की थी।भगीरथ की तपस्या से प्रसन्न होकर ब्रह्मा ने उनसे वर मांगने को कहा तो भगीरथ ने गंगा की मांग की।इस पर ब्रह्मा ने कहा- राजन! तुम गंगा का पृथ्वी पर अवतरण तो चाहते हो? परंतु क्या तुमने पृथ्वी से पूछा है कि वह गंगा के भार तथा वेग को संभाल पाएगी? मेरा विचार है कि गंगा के वेग को संभालने की शक्ति केवल भगवान शंकर में है। इसलिए उचित यह होगा कि गंगा का भार एवं वेग संभालने के लिए भगवान शिव का अनुग्रह प्राप्त कर लिया जाए।

महाराज भगीरथ ने वैसा ही किया। उनकी कठोर तपस्या से प्रसन्न होकर ब्रह्माजी ने गंगा की धारा को अपने कमंडल से छोड़ा। तब भगवान शिव ने गंगा की धारा को अपनी जटाओं में समेटकर जटाएं बांध लीं। इसका परिणाम यह हुआ कि गंगा को जटाओं से बाहर निकलने का पथ नहीं मिल सका।अब महाराज भगीरथ को और भी अधिक चिंता हुई। उन्होंने एक बार फिर भगवान शिव की घोर तपस्या शुरू की। तब कहीं जाकर भगवान शिव ने गंगा की धारा को मुक्त करने का वरदान दिया। इस प्रकार शिवजी की जटाओं से छूट कर गंगाजी हिमालय की घाटियों में कल-कल निनाद करके मैदान की ओर आई।इस प्रकार भगीरथ पृथ्वी पर गंगा का वरण करके बड़े भाग्यशाली हुए। उन्होंने जनमानस को अपने पुण्य से उपकृत कर दिया। युगों-युगों तक बहने वाली गंगा की धारा महाराज भगीरथ की साधना की गाथा कहती है। गंगा प्राणीमात्र को जीवनदान ही नहीं देती, मुक्ति भी देती है। (लेखक- डॉ श्रीगोपाल नारसन / ईएमएस) (लेखक आध्यात्मिक चिंतक व वरिष्ठ पत्रकार है)

## शब्द पहेली - 8039



**बाएँ से दाएँ**

1. तमाशा करने वाला-4
4. शेविंग, दाढ़ी बनाना-4
7. बेल, लतिका-2
8. मामला-3
9. स्तर, परत-2
10. भागना (अंग्रेजी-2)
12. गिरवी रखी वस्तु-2
14. सजदे में झुका हुआ-5
15. असंभव-5
17. खुदा की इबादत-3
19. फायदा, लाभ-2
21. क्रिकेट खिलाड़ी युवराज की प्रेमिका-2
23. मुस्लिम, यवनी-3
24. मोल, कीमत-2
25. स्वभाव, आदत-4
26. करतब, करिश्मा-4

**ऊपर से नीचे**

1. शमशीर, कृपाण-4
2. मां, मम्मी-3
3. नीयत, चरित्र-4
4. ज्वरताप-2
5. राय, वोट-2
6. आंदोलन, संग्राम-4
11. क्षारीय, चटपटा-4
13. आशियां, नीड़-4
14. नेत्र, आंखें-3
15. अनभिज्ञ-4
16. बचत, रिआयत-4
18. आवश्यकता-4
20. उन्माद-2
22. वोट-2
24. अस्थमा, श्वास संबंधी रोग-2

**शब्द पहेली -8038 का हल**



Jagrutidaur.com, Bangalore

# सम्पादकीय

## खेल-समाचार

### यूरोपीय फुटबाल चैंपियनशिप के पहले ही मैच में जर्मनी ने स्कॉटलैंड को 5-1 से हराया

म्यूनिख (ईएमएस)। जर्मनी ने स्कॉटलैंड को यूरोपीय फुटबाल चैंपियनशिप में जीत से शुरुआत की है। मेजबान टीम जर्मनी ने अपने पहले ही मुकाबले में स्कॉटलैंड को 5-1 से हरा दिया। जर्मनी की ओर से विट्र्ज़ और मुसियाला ने गोल किये। विट्र्ज़ ने खेल की शुरुआत में ही दसवें मिनट में पहला गोल किया जबकि मुसियाला ने 19वें मिनट में गोल दागकर बढ़त 2-0 कर दी। वहीं काई हैवर्ट ने पहले हाफ के इंजरी टाइम में पेनल्टी पर गोल कर मध्यांतर तक जर्मनी की बढ़त को 3-0 कर दिया।

स्कॉटलैंड के डिफेंडर रयान पोर्टियस की गलती के कारण लाल कार्ड दिखाकर बाहर कर दिया गया। इससे मेजबान टीम को एक पेनाल्टी भी मिल गयी। इसके बाद स्कॉटलैंड को दूसरे हाफ में 10 खिलाड़ियों के साथ ही खेलना पड़ा था। हाफ टाइम के बाद सब्सटीटयूट निकोलस फुलक्रग ने 68वें मिनट और एमरे कैन ने इंजरी टाइम में गोल करके जर्मनी की जीत पक्की कर दी। जर्मनी के एंटोनियो रोडिगर के 87वें मिनट में किए गए आत्मघाती गोल से स्कॉटलैंड को एक गोल मिल गया।

### प्रणय सहित सभी भारतीय खिलाड़ी ऑस्ट्रेलियन ओपन सुपर 500 बैडमिंटन में हारे

सिडनी (ईएमएस)। भारत के शीर्ष वरीयता प्राप्त बैडमिंटन खिलाड़ी एचएस प्रणय हार के साथ ही ऑस्ट्रेलियन ओपन सुपर 500 बैडमिंटन टूर्नामेंट से बाहर हो गये हैं। प्रणय को क्वार्टर फाइनल में जापान के शीर्ष खिलाड़ी कोडाई नाराओका के हाथों 19-21, 13-21 से हार का सामना करना पड़ा है। इसी के साथ ही इस टूर्नामेंट में भारत की चुनौती भी समाप्त हो गयी। प्रणय से पहले पुरुष एकल वर्ग में भारत के समीर वर्मा और महिला एकल में आकर्षि कश्यप को भी हार का सामना करना पड़ा था। इसके अलावा मिश्रित वर्ग में सिक्की रेड्डी एवं बी सुमित रेड्डी भी हार के साथ ही बाहर हो गये थे।

प्रणय इस मैच में शुरुआती गेम में 10-16 से पिछड़ने के बाद अच्छी वापसी करते हुए स्कोर को 18-18 तक ले गये पर वह इसके बाद अपनी लय पर नियंत्रण नहीं रख पाये। जापानी खिलाड़ी ने दूसरे गेम में 5-5 की बराबरी के बाद मैच पर शिकंजा कस दिया। वहीं भार के समीर को चीनी ताइपे के लिन चुन यी के खिलाफ आधे घंटे से कुछ अधिक समय तक चले मुकाबले में 21-12, 21-13 से हार का सामना करना पड़ा। वहीं मिश्रित युगल में सुमित और सिक्की को जियान जेन बैंग और वेई या शिन की शीर्ष वरीयता प्राप्त जोड़ी ने 21-12, 21-14 से हरा दिया।

### इटालियन ओपन गोल्फ में संयुक्त चौथे स्थान पर रही दीक्षा ,एलपीजीए क्लासिक में अदिति संयुक्त 16वें स्थान पर रहीं

नई दिल्ली (ईएमएस)। भारतीय महिला गोल्फर दीक्षा डागर इटालियन ओपन गोल्फ टूर्नामेंट में संयुक्त चौथे स्थान पर हैं। दीक्षा ने इस टूर्नामेंट में अच्छा प्रदर्शन करते हुए पहले दौर में पांच अंडर 67 का कार्ड खेला इससे वह संयुक्त चौथे स्थान पर पहुंच गयी हैं। दीक्षा ऑस्ट्रेलिया की कर्स्टन रूडगेली, स्पेन की फातिमा फर्नांडीज कैनो और स्विट्जरलैंड की टिफनी अराफी से एक शॉट पीछे हैं। वहीं इस टूर्नामेंट में भाग ले रही भारत की अन्य खिलाड़ियों का प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा। वाणी कपूर संयुक्त 30वें स्थान पर रहीं जबकि प्रणवी उर्स और त्वेसा मलिक को संयुक्त 41 वां स्थान मिला।

वहीं दूसरी ओर मीजर एलपीजीए क्लासिक में भारतीय महिला गोल्फर अदिति अशोक संयुक्त 16वें स्थान पर है। अदिति ने दो अंडर 70 का कार्ड खेला। अदिति ने छठे, आठवें और 18वें होल में बर्डी लगाकर 70 का कार्ड खेला।

### टी20 विश्व कप : अमेरिकी टीम अपने पहले ही टूर्नामेंट में सुपर आठ में पहुंची , पाकिस्तान बाहर हुई

फ्लोरिडा (ईएमएस)। खराब मौसम और बारिश के कारण मेजबान अमेरिका और आयरलैंड के बीच होने वाला लीग मुकाबला रद्द हो गया। इसके साथ ही दोनो ही टीमों को एक-एक अंक बांट दिया गया। इससे जहां अमरिकी टीम ने पहली बार सुपरआठ में जगह बनाकर एक अहम उपलब्धि हासिल की है। वहीं पाकिस्तान टीम बाहर हो गयी। इस मैच के नहीं हो पाने से अमरिकी टीम 5 अंक लेकर सुपर 8 में पहुंच गई जबकि पाकिस्तान का अगले दौर में पहुंचने का सपना टूट गया। इस प्रकार पहली बार टी20 विश्व कप में खेलने उतरी अमेरिका की टीम ने इतिहास बनाया है। उसने अपने पहले प्रयास में ही सुपर आठ में जगह बना ली है। .

अमेरिका की टीम 4 मैचों में 5 अंकों के साथ अंक तालिका में दूसरे स्थान पर रहा। वहीं आयरलैंड दो मैचों में दो हार के साथ तालिका में सबसे नीचे है जबकि पाक टीम तीन मैचों में एक जीत के साथ तीसरे स्थान पर है। भारतीय टीम इस ग्रुप में सभी तीनों मैच जीतकर 6 अंक लेकर ग्रुप तालिका में शीर्ष पर है। अमेरिका ने अपने पहले मैच में कनाडा को जबकि दूसरे मैच में पाकिस्तान को सुपर ओवर में हराया था लेकिन भारत के खिलाफ तीसरे मैच में उसे हार का सामना करना पड़ा था। अब अंक तालिका इस प्रकार हो गयी है कि पाकिस्तान की टीम अगर अपना अंतिम लीग मैच आयरलैंड के खिलाफ जीत भी जाती है तो भी उसके ज्यादा से ज्यदा 4 अंक ही होंगे। ऐसे में अमेरिकी टीम टी20 वर्ल्ड कप 2024 सुपर 8 में पहुंचने वाली छठी टीम बनी है। इससे पहले भारत, दक्षिण अफ्रीका, ऑस्ट्रेलिया, अफगानिस्तान और वेस्टइंडीज की टीमों ने सुपर 8 में प्रवेश किय था। इस विश्व कप में 20 टीमें टीमें खेल रही हैं। जिससें से शीर्ष दो-दो टीमें सुपर आठ में पहुंची हैं।

### आईसीसी ने आचार संहिता उल्लंघन के लिए साउदी को फटकार लगायी

तरौबा (ईएमएस)। न्यूजीलैंड के तेज गेंदबाज टिम साउदी को ड्रेसिंग रूम में गुस्सा दिखाना भारी पड़ा है। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने आचार संहित उल्लंघन के लिए उन्हें कड़ी फटकार लगायी है। ये मामला वेस्टइंडीज के खिलाफ पुरुष टी20 विश्व कप 2024 के ग्रुप सी मैच के दौरान का है। आईसीसी ने कहा कि साउदी को खिलाड़ियों और खिलाड़ी सहायता कर्मियों के लिए आचार संहिता के लेवल एक का उल्लंघन करते हुए पाया था। इस मामले में साउदी के अनुशासनात्मक रिकॉर्ड में एक नकारात्मकअंक जोड़ा गया है। यह 24 महीनों में उनका पहला अपराध था। यह घटना न्यूजीलैंड की पारी के 18वें ओवर में हुई, जब आउट होने के बाद, साउथी ने ड्रेसिंग रूम में वापस जाते समय हैंड सैनिटाइजर डिस्पेंसर को तोड़ दिया था।

आईसीसी के अनुसार साउदी ने अपना अपराध स्वीकार कर लिया और एमिरेट्स आईसीसी एलीट पैनल ऑफ मैच रेफरी के डेविड बून द्वारा प्रस्तावित सजा को स्वीकार कर लिया, इसलिए औपचारिक सुनवाई की कोई जरुरत नहीं थी। मैदानी अंपायर अहसान रजा और एलेक्स व्हार्फ, तीसरे अंपायर रिचर्ड इलिंगवर्थ और चौथे अंपायर माइकल गफ ने साउदी के खिलाफ आरोप लगाये थे।

### शुभमन , आवेश को अनुशासनहीनता के कारण वापस भेज रहा टीम प्रबंधन

मुम्बई (ईएमएस)। युवा बल्लेबाज शुभमन गिल और तेज गेंदबाज आवेश खान को टी20 विश्वकप के बीच से ही वापस स्वदेश भेजा जा रहा है। ये दोनो रिजर्व खिलाड़ी के तौर पर भारतीय टीम के साथ भेजे गये थे। पहले कहा जा रहा था किसी भी खिलाड़ी के चोटिल नहीं होने के कारण इन्हें वापस भेजा जा रहा है पर अब सामने आया है कि अनुशासनहीनता के कारण इनके खिलाफ ये कदम उठाया गया है। ये भी बात सामने आयी है कि शुभमन ने इंस्टाग्राम पर रोहित शर्मा को अनफॉलो कर दिया है। टी20 विश्वकप शुरू होने से पहले ही ये बातें निकलकर आ रहीं थीं कि शुभमन को टीम इंडिया में शामिल नहीं किया जाएगा क्योंकि भारतीय टीम के पास पहले से यशस्वी जायसवाल जैसा ओपनर है। हालांकि फिर टीम प्रबंधन ने शुभमन को रिजर्व खिलाड़ी के तौर पर रखा। उनके साथ रिंकू सिंह, अवेश खान और खलील अहमद भी रिजर्व खिलाड़ी के तौर पर यात्रा कर रहे थे। लेकिन इन चारों क्रिकेटरों को अब तक एक भी मौका नहीं मिला है क्योंकि टीम इंडिया के बल्लेबाज हो या गेंदबाज, इस समय शानदार लय में चल रहे हैं।

ये भी कहा जा रहा है कि शुभमन को वापस भेजे जाने का कारण अनुशासनात्मक मुद्दे हैं। जब से वह अमेरिका में हैं तब से उन्हें टीम के साथ यात्रा करते नहीं देखा गया है। इसके अलावा वह काफी समय टीम से दूर बिताते हैं और अपने अन्य निजी कामों में बिजनेस में व्यस्त रहते हैं। इसके साथ ही शुभमन की इंस्टाग्राम फोलोइंग सूची में रोहित शर्मा का नाम न होना भी क्रिकेट प्रशंसकों को हैरान कर रहा है।

# अंतरिक्ष तक पहुंच सकती है रुस और युक्रेन के बीच चल रही जंग

मॉस्को( ईएमएस )। यूक्रेन के साथ दो साल से ज्यादा समय से रूस युद्ध में उलझा हुआ है। इस दौरान रूस ने अपने एस-400 एयर डिफेंस सिस्टम पर ही ज्यादातर समय भरोसा जताया लेकिन हाल के समय में यूक्रेनी मिसाइलों के खिलाफ एस-400 के फेल होने की रिपोर्ट सामने आई हैं। ऐसे में रूस ने रणनीतिक तौर पर बेहद अहम केर्च ब्रिज को यूक्रेनी हमलों से बचाने के लिए रणनीति बदली है। ये पुल रूस को क्रीमिया से जोड़ता है। रूस इसका इस्तेमाल क्रीमिया में सैनिकों और हथियारों के परिवहन के लिए उपयोग करता है। इस पुल को बचाने के लिए रूस ने अपनी सबसे नई और सक्षम एस-500 वायु रक्षा प्रणाली को तैनात किया है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक यूक्रेनी रक्षा खुफिया ( एचयूआर ) प्रमुख किरिलो बुडानोव ने बताया है कि रूस ने केर्च ब्रिज की रक्षा के लिए अपने सबसे परिष्कृत एस-500 वायु रक्षा प्रणाली को क्रीमिया में तैनात किया है।

किरिलो बुडानोव ने कहा कि हमने एस-500 तत्वों क्रीमिया में देखा है। एस-500 की तैनाती की रिपोर्ट पूर्व रूसी रक्षा मंत्री सर्गेई शोइगू की ओर से अप्रैल में की गई उस घोषणा के बाद आई है, जिसमें उन्होंने कहा था कि रूसी सशस्त्र बलों को इस साल अगली पीढ़ी के बहुप्रतीक्षित एस-500 वायु रक्षा प्रणाली का पहला बैच प्राप्त होगा। बुडानोव के दावे पर सैन्य विश्लेषकों ने कहा है कि रूस अपने रणनीतिक महत्व को देखते हुए यूक्रेनी हमलों के खिलाफ केर्च ब्रिज को सुरक्षित कर रहा है। इस पुल को कई बार यूक्रेनी सेना निशाना बना चुकी है। अगस्त 2023 में भी ये पुल बमबारी में क्षतिग्रस्त हो गया था।

सैन्य विश्लेषक विजिंदर के ठाकुर का इस पर कहना है कि एस-500 प्रणाली की अतिरिक्त रेंज यूएस/नाटो संपत्तियों को करीब 100 किमी दूर संचालित करने के लिए मजबूर करेगी, जिससे उनकी आईएसआर क्षमता कम हो जाएगी। ये तैनाती ऐसे समय में हुई है जब यूक्रेन ने रूस पर हमला करने के लिए अपने लंबी दूरी के हथियारों का उपयोग करना शुरू कर दिया है, खासकर क्रीमिया को तीव्र जोखिम में डाल दिया है।

एस-500 गेम-चेंजर साबित होने का वादा करता है। यह कथित तौर पर पांचवीं पीढ़ी के विमानों, कम कक्षा के उपग्रहों और मिसाइल खतरों का मुकाबला करने में सक्षम है। इसे ए-135 एंटी-बैलिस्टिक मिसाइल सिस्टम के संभावित प्रतिस्थापन के रूप में बनाया गया था, जो अब मॉस्को के बाहर साइलो में तैनात है। इसके अतिरिक्त, इसका उद्देश्य लंबी दूरी की सतह से हवा में मार करने वाली मिसाइल ( एसएएम ) प्रणाली, एस-400 ट्रायम्फ का समर्थन करना है। एस-500 एक परिष्कृत रडार कॉम्प्लेक्स से सुसज्जित है जिसमें प्रति बैटरी चार रडार वाहन शामिल हैं।

## अब मोबाइल पर हर कॉलर का नाम दिखेगा टेलिकॉम-कंपनियों ने कॉलर आईडी डिस्प्ले सर्विस शुरू की, मुंबई-हरियाणा में ट्रॉयल

नई दिल्ली ( ईएमएस )। अब फोन पर अनजान नंबर से कॉल आने पर कॉलर का नाम भी दिखाई देगा। टेलिकॉम कंपनियों ने मुंबई और हरियाणा सर्किल में ट्रायल शुरू कर दिया है। आने वाले समय में अन्य शहरों में भी ये सर्विस शुरू करने की योजना है। कॉलिंग नेम प्रेजेंटेशन को स्पैम और फ्रॉड कॉल को रोकने के तरीके के रूप में देखा जा रहा है, जिसमें हाल के दिनों में बढ़ोतरी देखी गई है। सरकार और टेलिकॉम रेगुलेटरी अथॉरिटी ऑफ इंडिया के दबाव के बाद कंपनियों ने यह टेस्टिंग शुरू की है।

टेलिकॉम कंपनी के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि कॉलिंग नेम प्रेजेंटेशन कैसे काम कर रहा है, इसका रिजल्ट जानने के लिए हम सीमित संख्या में इसकी टेस्टिंग कर रहे हैं। इसमें आने वाली कॉल के दौरान नंबर के साथ कॉल करने वाले का नाम भी दिखाई देगा। हम टेस्टिंग के रिजल्ट को डिपार्टमेंट ऑफ टेलिकम्युनिकेशन के साथ शेयर करेंगे, ताकि प्रस्तावित सर्विस के बारे में एक व्यावहारिक निर्णय लिया जा सके।

ट्रूकॉलर की तरह होगी यह सर्विस

ट्रूकॉलर इंडिया के मैनेजिंग डायरेक्टर ऋषित झुनझुनवाला ने मनीकंट्रोल से बात करते हुए कहा कि कॉलिंग नेम प्रेजेंटेशन सर्विस कंपनी की मौजूदा कॉलर आईडी एप्लिकेशन की तरह ही होगी, लेकिन इससे उनके बिजनेस पर कोई भी प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़ेगा। हाल ही में सरकार ने टेलिकॉम ऑपरेटर्स को उन सभी फेक इंटरनेशनल कॉल्स को ब्लॉक करने का निर्देश दिया है, जो कॉल आने पर भारतीय नंबर दिखाई देते हैं। डिपार्टमेंट ऑफ टेलिकॉम को इससे जुड़ी शिकायतें मिल रही थीं। इन कॉल्स के जरिए लोगों के साथ साइबर क्राइम और फाइनेंशियल फ्रॉड किया जा रहा है।

## भोपाल स्थित सोम डिस्टलरी शराब फैक्ट्री में मारा छापा,59 बच्चों को किया रेस्क्यू, केमिकल से गल गए मासूमों के हाथ

भोपाल ( ईएमएस )। मप्र के रायसेन जिले में सोम डिस्टलरी शराब फैक्ट्री का शनिवार को राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग की टीम छापा मारा। यहां पर शराब फैक्ट्री में 59 बच्चे काम करते पाए गए। इनमें 20 लड़कियां भी शामिल हैं। काम करते-करते बच्चों के हाथों की चमड़ी तक गल गई थी। इन्हें स्कूल बस से फैक्ट्री में लाया जाता था।

राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग के अध्यक्ष प्रियंक कानूनगो ने बताया कि बचपन बचाओ आंदोलन एनजीओ की तरफ से शिकायत मिली थी। इसमें शराब फैक्ट्री में बच्चों से काम करने का मामला सामने आया। इसके बाद शनिवार को रायसेन जिले की सोम डिस्टलरी नामक शराब बनाने वाली फैक्ट्री में निरीक्षण किया गया। यहां 59 बच्चे शराब बनाने का काम करते हुए पाए गए हैं। इनमें 20 लड़कियां भी हैं। उन्होंने बताया कि शराब में बनाने में उपयोग होने वाले रसायनों के संपर्क में रहने से कई बच्चों के हाथ की चमड़ी भी जल चुकी है। बच्चों को रेस्क्यू करने एवं एफआईआर दर्ज करने की कार्रवाई की जा रही है।

आबकारी अधिकारी की मिलीभगत

कानूनगो ने आरोप लगाया कि ये आबकारी अधिकारी की मिलीभगत और उनकी आंखों के सामने हो रहा था। वह आंखें बंद कर बैठे थे। आबकारी अधिकारी के विरुद्ध कार्रवाई करने के लिए हम शासन को पत्र लिखेंगे। प्रियंका कानूनगो ने बताया कि बचपन बचाओ आंदोलन से शिकायत मिली थी कि इस फैक्ट्री में 15-16 घंटे बच्चों से शराब बनवाने का काम कराया जाता है। इन्हें लंबे समय से इस काम में लगाया गया था। फैक्ट्री के बाहर स्कूल बस खड़ी मिली।

एसडीओपी प्रतिभा शर्मा ने कहा कि राष्ट्रीय बाल संरक्षण आयोग के पत्र के अनुसार कार्रवाई की जा रही है। बच्चों का सीडब्ल्यूसी के सामने वेरीफिकेशन किया गया है। अभी जांच में समय लगेगा। उस आधार पर सोम फैक्ट्री के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने की कार्रवाई की जाएगी। इससे पहले शुक्रवार को बाल संरक्षण आयोग की टीम ने रायसेन जिले के मंडीदीप में छापा मारा था। यहां बिस्किट बनाने वाली फैक्ट्री एलएम बेकर्स में 21 बाल श्रमिक मजदूरी करते मिले। यहां पारले जी बिस्किट बनाए जा रहे थे। कुल 3 संस्थानों से 36 बच्चों का रेस्क्यू किया गया। इनमें छिंदवाड़ा व अन्य राज्यों के आदिवासी बच्चे होने की जानकारी मिली है।

आबकारी अधिकारी के खिलाफ कार्रवाई करने नोटिस

आयोग की तरफ से सरकार को आबकारी अधिकारी के खिलाफ कार्रवाई करने नोटिस जारी किया गया है। इस पूरे मामले में आबकारी अधिकारी की गंभीर लापरवाही सामने आई है। यह फैक्ट्री आबकारी विभाग की देखरेख में संचालित हो रही है। इसके परिसर में ही आबकारी अधिकारी का कार्यालय भी है। आयोग ने आबकारी अधिकारी के विरुद्ध कार्यवाही करने के लिए सरकार को नोटिस जारी किया जा रहा है।

## जल्द मिलेगी महंगाई से राहत, जुलाई से घट सकती हैं कीमतें

- सरकार ने घरेलू बाजार में सप्लाई बढ़ाने के लिए बढ़ा दिया है आयात

नई दिल्ली ( ईएमएस )। पिछले कुछ दिनों से लगातार महंगाई बढ़ती जा रही है। थोक महंगाई की दर भी 15 महीने के शीर्ष पर पहुंच चुकी है और सब्जियों सहित तमाम तरह की दालों के दाम भी बढ़ते ही जा रहे हैं। लेकिन अब महंगाई के इस डोज से जल्द ही राहत मिलने वाली है।इसके सरकार ने अपना दांव चल दिया है और इसका असर जुलाई से आम आदमी की थाली पर भी दिखना शुरू हो जाएगा। उपभोक्ता मामलात मंत्रालय के एक अ?धिकारी ने कहा कि आम आदमी को महंगाई से घबराने की जरूरत नहीं है। सरकार ने पूरी रणनीति बना ली है और जुलाई से इसमें गिरावट आनी शुरू हो जाएगी। उन्होंने कहा कि तुअर, चना और उड़द दाल की कीमतों पर अंकुश लगाने के लिए बड़ी मात्रा में आयात किया जा रहा है। सरकार ने घरेलू बाजार में सप्लाई बढ़ाने के लिए आयात बढ़ा दिया है। उन्होंने कहा कि तुअर, चना और उड़द दाल की कीमतें पिछले 6 महीने से स्थिर हैं, लेकिन अपनी ऊंची दरों पर। मूंग और मसूर की कीमतें अभी नरम हैं। जून, 2024 को चना दाल की खुदरा कीमत 87.74 रुपये किलो तो तुअर दाल की 160.75 रुपये किलो और उड़द 126.67 रुपये किलो चल रहा था। मूंग दाल 118.9 रुपये और मसूर की दाल 94.34 रुपये के भाव थी। मंत्रालय ने यह आंकड़ा देश के 550 केंद्रों से जुटाया है। उन्होंने कहा ?कि हमें पूरी उम्मीद है कि इस बार अच्छा मानसून रहेगा और औसत से ज्यादा बारिश होगी। इससे दाल की बुआई का रकबा बढ़ेगा और किसान भी बाजार के बढ़ते भाव का फायदा उठाना चाहेंगे। पैदावार अच्छी हुई तो घरेलू बाजार में दाल की कीमतें थामने में मदद मिलेगी। सरकारी केंद्रों पर लोग 60 रुपये किलो के भाव पर भारत चना दाल खरीद सकते हैं। भारत अपनी जरूरतें पूरी करने के लिए हर साल करीब 8 लाख टन तुअर दाल और 6 लाख टन उड़द दाल का आयात करता है। इसके अलावा 2023-24 में देश में करीब 33.85 लाख टन तुअर दाल का उत्पादन हुआ, जबकि खपत करीब 45 लाख टन की है। इसी तरह, चना दाल उत्पादन 115.76 लाख टन है तो खपत 119 लाख टन की है।

## एनडीए सरकार गलती से बनी, ज्यादा दिन नहीं चलेगी -मल्लिकार्जुन खरगे

बंगलूरू ( ईएमएस )। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे का दावा है कि एनडीए सरकार ज्यादा दिन नहीं चलेगी और ये कभी भी गिर सकती है। खरगे ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी को अपने सहयोगियों को एकजुट रखने में काफी परेशानी हो रही है।

बंगलूरू में मीडिया से बात करते हुए मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा कि एनडीए सरकार गलती से बनी। मोदी जी के पास जनादेश नहीं है, यह अल्पमत की सरकार है। यह सरकार कभी भी गिर सकती है। उन्होंने कहा कि हम चाहते हैं कि यह जारी रहे, यह देश के लिए अच्छा हो, हमें देश को मजबूत बनाने के लिए मिलकर काम करना चाहिए।

उल्लेखनीय है कि 543 सदस्यों वाली लोकसभा में बहुमत का आंकड़ा 272 है, लेकिन भाजपा बहुमत के आंकड़े से काफी पीछे रही और 240 सीटों पर ही जीत दर्ज कर सकी। ऐसे में सरकार बनाने के लिए भाजपा एनडीए गठबंधन के सहयोगियों पर निर्भर है। जिनमें 16 सीटें जीतने वाली तेदेपा, 12 सीटें जीतने वाली जदयू और एकनाथ शिंदे की शिवसेना ( 7 ) और लोजपा ( 5 ) प्रमुख हैं।

खरगे के बयान पर जदयू ने पलटवार किया है और उनसे पूछा कि जब कांग्रेस ने गठबंधन की सरकार बनाई थी, तब उनके प्रधानमंत्री का स्कोर कार्ड क्या थे?

## कनाडा के खिलाफ टीम इंडिया का मुकाबला हुआ रद्द

फ्लोरिडाः कनाडा के खिलाड़ियों के पास भारत के खिलाफ खेलकर अच्छा अनुभव हासिल करने का मौका था। लेकिन बारिश की वजह से टी20 वर्ल्ड कप में दोनों टीमों का मुकाबला नहीं हो पाया। अमेरिका के खिलाड़ियों ने भारत के खिलाफ अच्छा प्रदर्शन कर नाम कमा लिया था। अब कनाडा के पास भी यह मौका था लेकिन बारिश ने उन्हें धोखा दे दिया। सुपर 8 की रेस से पहले ही बाहर हो चुकी कनाडा का यह टूर्नामेंट में आखिरी मुकाबला था। दोनों टीमों को एक-एक पॉइंट से संतोष करना पड़ा। अमेरिका और आयरलैंड का मैच भी मैदान गीला होने की वजह से ही नहीं हो पाया था।

## नासा का कमालः 24 अरब किमी दूर वॉयजर-1 को किया ठीक

वॉशिंगटन( ईएमएस )। नासा वैज्ञानिकों को एक बड़ी कामयाबी मिली है। नासा के वॉयजर-1 अंतरिक्ष यान ने एक बार फिर इंटरस्टेलर स्पेस से महत्वपूर्ण डेटा इकट्ठा करना शुरू कर दिया है। नवंबर 2023 में एक तकनीकी समस्या के कारण इसके साइंस ऑपरेशन में बाधा पैदा हुई थी। इसके सभी सिस्टम का काम करना एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है। समस्या पैदा होने के बाद पहली बार अंतरिक्ष यान सामान्य साइंस ऑपरेशन कर रहा है, जो मिशन टीम के लिए बड़ी राहत और उत्साह वाली बात है। इसके सभी चार विज्ञान उपकरण उपयोगी डेटा पृथ्वी पर भेज रहे हैं।

वॉयजर-1 के विज्ञान उपकरण अंतरिक्ष में प्लाज्मा तरंगों, चुंबकीय क्षेत्र और कणों का अध्ययन करने के लिए डिजाइन किए गए हैं। वॉयजर-1 और वॉयजर-2 सीधे इंटस्टेलर स्पेस का सैंपल लेने वाले एकमात्र अंतरिक्ष यान हैं। नासा के मुताबिक वॉयजर-1 वर्तमान में पृथ्वी से 24 अरब किलोमीटर दूर है। वहीं वॉयजर-2 की दूरी 20 अरब किलोमीटर है। यह अब तक सबसे दूर जाने वाली मानव निर्मित वस्तु है। दोनों ही 47 वर्षों से काम कर रहे हैं, जो इसे नासा का सबसे लंबा मिशन बनाता है। इन मिशनों ने सौर मंडल के बारे में हमारी समझ को बढ़ाया था।टीम ने एक बार फिर वैज्ञानिक डेटा ट्रांसमिट करना शुरू करने के लिए 19 मई को वॉयजर-1 को एक कमांड भेजा। इस कमांड से अंतरिक्ष यान के चार उपकरणों में से दो फिर शुरू हो गए। ये कमांड मिलने के बाद लगभग तुरंत ही अपने सामान्य ऑपरेटिंग मोड में लौट आए। अन्य दो अपकरणों को शुरू करने के लिए अतिरिक्त प्रयास की जरूरत थी, लेकिन वे भी अब सही ढंग से काम कर रहे हैं और महत्वपूर्ण वैज्ञानिक डेटा वापस भेज रहे हैं।

## टीसीएस पर 1,622 करोड़ का जुर्माना

नई दिल्ली ( ईएमएस )। टाटा ग्रुप की आईटी कंपनी टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज ( टीसीएस ) पर अमेरिका की एक अदालत ने 194.2 मिलियन डॉलर ( करीब 1,622 करोड़ ) का जुर्माना लगाया है। कंपनी ने एक्सचेंज फाइलिंग में बताया कि नॉर्दर्न डिस्ट्रिक्ट ऑफ टेक्सास के यूनाइटेड स्टेट्स डिस्ट्रिक्ट कोर्ट ने ट्रेड सीक्रेट का दुरुपयोग करने को लेकर यह जुर्माना लगाया है। टीसीएस ने कहा कि उसके पास फैसले के खिलाफ मजबूत तर्क हैं। वह अपने हितों की रक्षा के लिए समीक्षा या अपील करने की योजना बना रही है। कंपनी को उम्मीद है कि समीक्षा याचिका और चुनौती के बाद फैसला उसके पक्ष में आने वाला है।

## अमेरिका में हवा में लटके 30 लोगों को सुरक्षित बचाया

वाशिंगटन, ( ईएमएस )। अमेरिका में आपात सेवा कर्मियों ने एक झूले में खराबी आने के कारण बीच हवा में लटके 30 लोगों को सुरक्षित बचा लिया है। यह झूला एक दशक पुराने 'एम्यूजमेंट पार्क' में लगा हुआ था।

मीडिया रिपोर्ट में कहा है सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर कहा गया है कि दमकल कर्मियों ने 'ओक्स पार्क' के इंजीनियरों के साथ मिलकर झूले को नीचे उतारा और साथ ही रस्सी के सहारे लोगों को नीचे उतारा गया। झूले पर सवार सभी लोगों को नीचे उतार लिया गया और सभी लोग सुरक्षित हैं। पार्क में लगे अन्य झूले पर सवार लोगों ने घटना का वीडियो बनाया है।

## सेबी ने ग्रोवैल्यू फिन सर्विसेज का पंजीकरण रद्द किया

नई दिल्ली ( ईएमएस )। बाजार नियामक सेबी ने नियामकीय मानकों का उल्लंघन करने पर ग्रोवैल्यू फाइनेंशियल सर्विसेज का पंजीकरण प्रमाणपत्र रद्द कर दिया। भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड ( सेबी ) ने अप्रैल 2021 से अगस्त 2022 तक सेबी के पास पंजीकृत अनुसंधान विश्लेषक फर्म ग्रोवैल्यू फाइनेंशियल सर्विसेज से जुड़े मामलों का निरीक्षण किया। निरीक्षण इस?लिए किया गया था कि क्या फर्म के बहीखाते और रिकॉर्ड सही ढंग से तैयार किए जा रहे थे और क्या फर्म सेबी के अनुसंधान विश्लेषक मानदंडों के प्रावधानों का पालन कर रही थी। सेबी के एक व?रिष्ठ अ?धिकारी ने अपने आदेश में कहा कि नोटिस प्राप्तकर्ता ( ग्रोवल्यू फाइनेंशियल सर्विसेज ) ने अनुसंधान विश्लेषक विनियमों के प्रावधानों का उल्लंघन किया है और अपने पंजीकरण प्रमाणपत्र की शर्तों का पालन करने में विफल रहा है। इसी को ध्यान में रखते हुए उसका पंजीकरण प्रमाणपत्र रद्द किया जा रहा है।

## कनाडा में 20 मिलियन डॉलर सोने की चोरी करने वाला चोर करेगा सरेंडर

टोरंटो ( ईएमएस )। कनाडा में 20 मिलियन डॉलर की सोने की चोरी में शामिल चोर सरेंडर करने की सोच रहा है। एयर कनाडा के पूर्व प्रबंधक ने शुक्रवार को मीडिया को बताया कि वह खुद को सौंपने की तैयारी कर रहा है। सिमरन प्रीत पनेसर पर टोरंटो के पियर्सन हवाई अड्डे से अप्रैल 2023 में हुई चोरी का उस पर आरोप हैं। उनके वकील ग्रेग लाफोंटेन ने बताया कि पनेसर देश से बाहर है लेकिन उन्होंने यह नहीं बताया कि वे कहां हैं। वकील लाफोंटेन ने बताया कि उन्होंने अधिकारियों को कहा है कि पनेसर अगले कुछ हफ्तों में स्वेच्छा से देश लौटने और सरेंडर करने की योजना बना रहा है। वकील ने बताया कि पनेसर को न्याय प्रणाली पर पूरा भरोसा है और जब यह छानबीन खत्म हो जायेगी तो वह कोई भी गलत काम नहीं करेगा। पुलिस ने कहा कि अप्रैल में उन्होंने 6 लोगों को गिरफ्तार किया था व 3 और लोगों की तलाश कर रहे थे। पुलिस अधिकारियों ने कहा कि एयर कनाडा के 2 कर्मचारियों सहित संदिग्धों पर स्विट्जरलैंड से आने वाले 6 हजार 600 सोने की छड़ें जिनका वजन करीब 400 किलो था को चुराने का उस पर आरोप है। इसके लिए उन्होंने एयरवे बिल में जालसाजी भी की थी। कनाडा पुलिस के मुताबिक यह चोरी 17 अप्रैल 2024 को हुई थी। चोरों ने 6 हजार 600 शुद्ध गोल्ड बार से भरे 400 किलो के कंटेनर को जिसमें 25 लाख कनाडाई डॉलर भी थे स्टोरेज फैसिलिटी से चुरा लिया। यह कंटेनर स्विटजरलैंड के ज्यूरिख एयरपोर्ट से टोरंटो एयरपोर्ट पर लाया गया था। कड़ी सुरक्षा के बीच कंटेनर को कार्गो से उतारकर रख दिया गया। दूसरे दिन पुलिस को पता चला कि सोना और कैश दोनों गायब हैं।

## क्यूबा के तट पर मंडराने लगा कोल्ड वॉर का खतरा ,अमेरिका से महज 120 किलोमीटर दूर रूस के जंगी पोत और परमाणु पनडुब्बी

वा?शिंगटन ( ईएमएस )। क्यूबा अपने टूरिज्म, कल्चर, वास्तुकला और कई ऐतिहासिक स्मारकों के लिए मशहूर है। लेकिन अब इस इस देश के इर्द-गिर्द कोल्ड वॉर का खतरा मंडराने लगा है। अमेरिका से केवल 120 किलोमीटर दूर रूसी जंगी पोत और परमाणु पनडुब्बी नजर आया है। राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन का बेशकीमती जंगी पोत गोर्शकोव क्यूबा पहुंचा। इसके बाद अगल-अलग तरह के कयास लगाए जा रहे हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक एडमिरल गोर्शकोव फ्रिगेट क्यूबा तीन दिनों के लिए जनता के लिए पर्यटन की पेशकश करेगा। इससे लोगों को संदेह पैदा हो रहा है कि आ?खिर रूसी जंगी जहाज क्यूबा की तटों पर इतने दिनों के लिए आम लोगों के लिए क्यों खोला जाएगा। बता दें कि गोर्शकोव रूसी बेड़े के सबसे आधुनिक जहाजों में से एक है, जो 6,000 मील प्रति घंटे से ज़्यादा की रफ़्तार से हाइपरसोनिक मिसाइल दागने में सक्षम है। रिपोर्ट के अनुसार क्यूबा के एक नागरिक ने कहा कि क्यूबा में रहने के बारह सालों में मैंने हर तरह की लाइनों में इंतज़ार किया है। खाना खरीदने के लिए लाइनें, बिलों का भुगतान करने के लिए लाइनें, सिर्फ़ इसलिए लाइनें क्योंकि लोग किसी ऐसी चीज़ के लिए लाइन में लगे थे जिसके लिए शायद लाइन में लगना ज़रूरी हो लेकिन अब मैं किसी अप्रत्याशित चीज़ के लिए लाइन में खड़ा था, हवाना के बंदरगाह में डॉक किए गए एक रूसी युद्धपोत पर सवार होने के लिए जब एक रूसी राजनयिक ने मुझे बताया कि एडमिरल गोर्शकोव फ्रिगेट तीन दिनों के लिए जनता के लिए पर्यटन की पेशकश करेगा, तो मुझे कुछ संदेह हुआ। जब रूसी जंगी जहाज गोर्शकोव क्यूबा पहुंचा, तो उसे 21 तोपों की जोरदार सलामी दी गई। क्यूबा के लोगों ने रूसी जंगी जहाज को 18वीं सदी के किले से तोपों से सलामी दिया, जो बंदरगाह के ऊपर था, जिसे स्पेनियों ने शहर को समुद्री डाकुओं से बचाने के लिए बनाया था। गोर्शकोव के साथ एक बचाव टग, एक फ्यूल जहाज और कज़ान, एक शानदार परमाणु ऊर्जा से चलने वाली पनडुब्बी आई थी।

## सेंसेक्स और निफ्टी ने बनाया नया रिकॉर्ड,- सेंसेक्स 181 अंकों की बढ़त के साथ 76,992 पर बंद

- निफ्टी 66 अंक मजबूत होकर 23,465 पर बंद

मुंबई ( ईएमएस )। चुनिंदा शेयरों की लिवाली और निर्यात के आंकड़ों से घरेलू शेयर बाजार कारोबारी सप्ताह के आखिरी दिन शुक्रवार को जोरदार तेजी के साथ बंद हुए। बाजार के जानकारों ने कहा ?कि विदेशी ?निवेशकों की खरीदारी से भी शेयर बाजार प्रभावित हुआ। घरेलू शेयर बाजार में बीते सप्ताह के पांच कारोबारी ?दिनों में से दो ?दिन ?गिरावट और तीन ?दिन जोरदार तेजी देखी गई। सप्ताह के पहले कारोबारी ?दिन सोमवार को सेंसेक्स 61.05 अंक फिसलकर 76,601.96 पर खुला और 77,079.04 पर बंद हुआ। वहीं निफ्टी 13.31 अंक टूटकर 23,276.85 पर खुला और 23,411.90 के रिकॉर्ड स्तर पर बंद हुआ। हफ्ते के दूसरे कारोबारी दिन शेयर बाजार में कमजोर शुरुआत हुई। प्री ओपनिंग में बढ़त के बावजूद शुरुआती कारोबार में सेंसेक्स और निफ्टी लाल निशान पर कारोबार करते दिखे। सेंसेक्स शुरुआती कारोबार में 113.63 अंक की गिरावट के साथ 76,376.45 अंक पर खुला और 33.49 अंक की गिरावट के साथ 76,456.59 अंक पर बंद हुआ। निफ्टी 29.6 अंक फिसलकर 23,229.60 अंक पर खुला और 5.65 अंक की मामूली बढ़त के साथ 23,264.85 अंक पर बंद हुआ। बुधवार को 166 अंक की बढ़त के साथ 76,622 पर खुला और 149.98 अंकों की बढ़त के साथ 76,606.57 के स्तर पर बंद हुआ। निफ्टी 51 अंकों की मजबूती के साथ 23,316 पर खुला और 58.11 अंक चढ़कर 23,322.95 के लेवल पर बंद हुआ। गुरुवार को आईटी और रियल्टी शेयरों में मजबूती के साथ कारोबार होता दिखा। सेंसेक्स 287.51 अंकों की बढ़त के साथ 76,889.96 पर खुला और 204.33 अंकों की बढ़त के साथ 76,810.90 पर बंद हुआ। निफ्टी 77.60 अंक मजबूत होकर 23,400.55 पर खुला और 75.96 अंक मजबूत होकर 23,398.90 पर बंद हुआ। हफ्ते के आखिरी कारोबारी दिन शुक्रवार को घरेलू शेयर बाजार में शुरुआती बढ़त के बाद ऊपरी स्तरों से बिकवाली दिखी। सेंसेक्स 163.48 अंक टूटकर 76,611.05 पर खुला और 181.87 अंकों की बढ़त के साथ 76,992.77 पर बंद हुआ। निफ्टी 40.16 अंक फिसल कर 23,358.75 पर खुला और 66.70 अंक मजबूत होकर 23,465.60 के स्तर पर बंद हुआ।

## पुतिन ने युद्ध खत्म करने रखी शर्त, यूक्रेन ने किया मानने से इंकार

### -पश्चिमी देशों ने लगाया है प्रतिबंध, रूसी अर्थव्यवस्था को हो रहा भारी नुकसान

मॉस्को,( ईएमएस )। रूस और यूक्रेन का युद्ध को चलते हुए तीन साल होने वाले हैं इस युद्ध में यूक्रेन के साथ रुस को काफी नुकसान हुआ है। अब रुस के राष्ट्रपति पुतिन युद्ध खत्म करना चाहते हैं और इसके लिए उन्होंने यूक्रेन के सामने एक नई शर्तें रख दी हैं। शर्त भी ऐसी है जिसे यूक्रेन नहीं मानने वाला।

रुसी राष्ट्रपति पुतिन ने कहा कि रूस युद्ध तभी खत्म करेगा जब यूक्रेन मॉस्को की ओर से दावा किए गए सभी चार क्षेत्रों को पूरी तरह से छोड़ देगा। इसके अलावा पुतिन ने कहा कि यूक्रेन नाटो में शामिल होने की अपनी जिद को छोड़ दे। यूक्रेन ने पुतिन की इस डिमांड को सिरे से खारिज कर दिया है और इसे युद्ध खत्म करने का दिखावा करार दिया है।

वहीं स्विट्जरलैंड में युक्रेन शांति सम्मेलन होना है, जिसमें रूस को नहीं बुलाया गया है। इस सम्मेलन से पहले शुक्रवार को पुतिन ने युद्ध खत्म करने की अपनी शर्तें रखीं। पूर्वी और दक्षिणी यूक्रेन में कब्जे वाले चार क्षेत्रों से हटने के साथ-साथ, पुतिन ने कहा कि यूक्रेन को असैन्यीकरण करना होगा और पश्चिमी देशों द्वारा रूस पर लगे प्रतिबंध हटाने होंगे। यूक्रेन पर हमले के बाद रूस पर पश्चिमी देशों ने प्रतिबंध लगा दिए थे। इससे रूसी अर्थव्यवस्था को भारी नुकसान हुआ है।

रुस की यह शर्तें पहले से ज्यादा सख्त हैं, लेकिन पुतिन का यह बयान इस युद्ध में रूस की विफलता को दर्शा रहा है क्योंकि रूस को यकीन था कि वह कुछ ही दिनों में राजधानी कीव समेत यूक्रेन के बाकी हिस्सों पर कब्जा जमा लेगा। करीब 28 महीने बीतने के बाद भी रूस ने यूक्रेनी क्षेत्र के करीब पांचवें हिस्से पर कब्जा किया है। इसमें क्रीमिया प्रायद्वीप भी शामिल है, जिसे एक दशक पहले रूस ने कब्जे में लिया था। यूक्रेन और पश्चिमी देश चेतावनी देते रहे हैं कि पुतिन यूक्रेन की पूरी हार के बाद समझौता करेंगे। युद्धविराम रूस को फिर से सैनिक इकट्ठा करने और भविष्य में आक्रमण की तैयारी का मौका देगा। रूसी विदेश मंत्रालय के बयान के मुताबिक पुतिन ने कहा कि शांति वार्ता के लिए रूस की शर्तें सरल हैं, जिसकी शुरुआत डोनेट्स्क, लुहान्स्क, खेरसॉन और जापोरिजिया के पूरे क्षेत्रों से यूक्रेनी सैनिकों की वापसी से होगी। रूस इन क्षेत्रों को आंशिक रूप से नियंत्रित करता है, लेकिन पुतिन का दावा है कि 2022 में यह क्षेत्र रूस के हिस्सा हो गया है। पुतिन ने कहा कि जैसे ही कीव ऐलान करेगा कि वह इस निर्णय के लिए तैयार है और नाटो में शामिल नहीं होगा। हम उसी समय युद्ध विराम कर देंगे और बातचीत शुरू करने का आदेश देंगे।

## नेपाल के लुंबिनी में भारत ने रखी स्कूल की नींव

काठमांडू,( ईएमएस )। नेपाल के लुंबिनी प्रोविंस के प्यूथान जिले में एक स्कूल और हॉस्टल की नींव भारत ने शुक्रवार को रख दी है। यह नींव भारत और नेपाल के बीच एक समझौते के तहत एक हाई इंपैक्ट कम्युनिटी डेवलपमेंट प्रोजेक्ट ( सामुदायिक विकास परियोजना ) के रूप में रखी गई है।

प्यूथान जिले के ऐरावती ग्रामीण नगर पालिका-1 में डांग-बैंग माध्यमिक स्कूल के साथ ही एक हॉस्टल का निर्माण नेपाल-भारत विकास सहयोग के तहत किया जा रहा है। भारत सरकार इसके लिए 33.92 मिलियन नेपाली रुपये की वित्तीय सहायता प्रदान करेगी। भारत सरकार द्वारा दी जाने वाली इस सहायता से स्कूल और उसके लिए एक हॉस्टल बिल्डिंग के साथ ही अन्य सुविधाओं के मुहैया कराने के लिए किया जा रहा है।

भारतीय दूतावास ने इसकी जानकारी आधिकारिक विज्ञप्ति जारी कर दी है। इसके मुताबिक, साल 2003 से भारत सरकार ने नेपाल में विभिन्न क्षेत्रों में 551 से अधिक हाई इंपैक्ट कम्युनिटी डेवलपमेंट प्रोजेक्ट शुरू किए हुए हैं और 490 परियोजनाओं का कार्य पूर्ण किया है। इनमें से विभिन्न क्षेत्रों वाली 61 परियोजनाएं लुंबिनी प्रांत में हैं, जिनमें प्यूथान में चल रहीं 2 परियोजनाएं भी शामिल हैं। इनके अतिरिक्त भारत सरकार ने नेपाल के विभिन्न अस्पतालों, स्वास्थ्य चौकियों और शैक्षणिक संस्थानों को 1009 एम्बुलेंस और 300 स्कूल बसें बतौर उपहार भेंट में दी हैं।

## केंद्र की मोदी सरकार ने कच्चे तेल पर घटाया विंडफॉल टैक्स

-5,200 रुपए से घटाकर 3,250 रुपए प्रति टन किया

नई दिल्ली,( ईएमएस )। केंद्र की मोदी सरकार ने कच्चे तेल पर विंडफॉल टैक्स घटाते हुए इसे 3,250 रुपए प्रति टन कर दिया है। पिछले पखवाड़े यह 5,200 रुपए प्रति टन था। सरकार द्वारा जारी अधिसूचना के अनुसार टैक्स की नई दर 15 जून से प्रभावी हो गई है। डीजल, पेट्रोल और विमान ईंधन पर विंडफॉल टैक्स को शून्य पर बरकरार रखा है।

सरकार हर 15 दिन में विंडफॉल टैक्स की समीक्षा करती है। हाल के महीनों में कई बार कच्चे तेल पर विंडफॉल टैक्स कम किया गया है। एक जून को इसे 5,700 रुपए प्रति टन से घटाकर 5,200 रुपए प्रति टन किया गया था।

वहीं, 16 मई को केंद्र सरकार ने कच्चे तेल पर विंडफॉल टैक्स 8,400 रुपए से घटाकर 5,700 रुपए प्रति टन किया था। इससे पहले एक मई को इसे 9,600 रुपए से घटाकर 8,400 रुपए प्रति टन किया था। कच्चे तेल पर विंडफॉल टैक्स कम करने का सीधा असर घरेलू स्तर पर पेट्रोलियम उत्पादक कंपनियों जैसे ओएनजीसी और ऑयल इंडिया को मिलता है। कच्चे तेल की कीमत बढ़ने के कारण कंपनियों को हो रहे अप्रत्याशित लाभ पर विंडफॉल टैक्स लगाया जाता है। इस टैक्स की शुरआत जुलाई 2022 से की गई थी।

## असम में वर्ष 2027 तक 3,000 मेगावाट सौर ऊर्जा उत्पादन का लक्ष्यः हिमंत

गुवाहाटी ( ईएमएस )। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने कहा कि राज्य 2027 तक 3,000 मेगावाट सौर ऊर्जा उत्पादन का लक्ष्य बना रहा है। शर्मा ने डिब्रूगढ़ के नामरूप में 25 मेगावाट के सौर ऊर्जा संयंत्र की आधारशिला रखते हुए कहा कि यह पर्यावरण के प्रति राज्य का योगदान होगा। उन्होंने कहा ?कि हम पहले से ही 200 मेगावाट सौर ऊर्जा उत्पादन की प्रक्रिया में हैं। इस वर्ष के भीतर बाकी क्षमता के लिए काम शुरू हो जाएगा। उन्होंने कहा कि नामरूप संयंत्र 115 करोड़ रुपये की लागत से बनाया जाएगा और चालू हो जाने पर यह हरित ऊर्जा व्यवस्था की तरफ राज्य की बहुआयामी रणनीति में शामिल हो जाएगा। असम पावर जनरेशन कॉरपोरेशन और ऑयल इंडिया लिमिटेड के बीच एक संयुक्त उद्यम ( जेवी ) वाली इस परियोजना के जुलाई, 2025 तक पूरी होने की संभावना है। शर्मा ने कहा कि राज्य में फिलहाल सात सौर ऊर्जा संयंत्र संचालित हैं, जिनसे प्रतिदिन 175 मेगावाट बिजली पैदा होती है।

## महिला से संबंध बनाते समय हटाया कंडोम, कोर्ट ने दी पांच साल की सजा

लंदन,( ईएमएस )। ब्रिटेन के ब्रिक्सटन में एक अजीबो गरीब वाक्या पेश आया। यहां एक युवक को महिला से दुष्कर्म के मामले में गिरफ्तार किया गया। खास बात है कि इस मामले में महिला की मर्जी से ही दोनों ने शारीरिक संबंध बनाए थे लेकिन अदालत में आरोपी को दोषी मानते हुए पांच साल की सजा सुना दी। दरअसल, इसकी वजह स्टेल्थिंग बताई जा रही है।

ब्रिटेन में स्टेल्थिंग को रेप भी माना जाता है। इसका मतलब है कि जब दो लोग प्रोटेक्शन के इस्तेमाल की शर्त पर सेक्स करने को राजी हैं, लेकिन अगर व्यक्ति कंडोम पहनने के बारे में झूठ कहता है या शारीरिक संबंध बनाने के दौरान अपने पार्टनर के इजाजत के बगैर से उसे हटा लेता है, तो इसे स्टेल्थिंग यानी रेप कहा जाता है।

एक रिपोर्ट के मुताबिक 39 साल के गाई मुकेंदी को महिला से सेक्स करते समय उसकी अनुमति के बगैर कंडोम उतारने के आरोप में पांच साल की जेल की सजा सुनाई है। रिपोर्ट के मुताबिक ब्रिक्सटन में एक महिला और मुकेंदी के बीच प्रोटेक्शन के इस्तेमाल की शर्त पर दोनों ने सहमति से शारीरिक संबंध बनाए थे। युवक मुकेंदी ने बगैर अपने पार्टनर की सहमति के कंडोम बीच में हटा दिया था। पीड़िता ने इसकी शिकायत पुलिस में की थी। इसके बाद जब जांच शुरू हुई तो पता चला कि महिला और मुकेंदी के बीच मैसेज के जरिए हुई बातचीत को आरोपी ने डिलीट कर दिया। इनमें से कुछ मैसेज में वह स्टेल्थिंग यानी इस हरकत के लिए माफी भी मांग रहा था। खास बात है कि ये सबूत भी मुकेंदी को दोषी ठहराए जाने में मददगार साबित हुए।

## ग्रीस में पहाड़ी की खुदाई में मिली चार हजार साल पुरानी इमारत

### - भुलभुलैया की तरह आ रही नजर, एयरपोर्ट बनाने का चल रहा था काम

एथेंस,( ईएमएस )। ग्रीस की क्रेटन पहाड़ी की चोटी खुदाई में एक बिल्डिंग मिली है जो करीब चार हजार साल पुरानी बताई जा रही है। ये क्षेत्र ग्रीस का पर्यटन के लिहाज से काफी अहम है। पर्यटकों को सुविधा देने के लिए ग्रीस सरकार यहां एयरपोर्ट का निर्माण करा रही है। इसी परियोजना के लिए खुदाई का काम चल रहा है इस खुराई में यह इमारत निकली है, जिससे अब एयरपोर्ट का काम अधर में लटकता नजर आ रहा है। चार हजार साल पुरानी गोल पत्थर की ये इमारत पुरातत्वविदों को हैरान कर रही है। ग्रीस के संस्कृति मंत्रालय ने इस खोज के बारे में कहा कि यह संरचना क्रेते की मिनोअन सभ्यता की एक अद्वितीय और दिलचस्प खोज है।

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक ग्रीस के संस्कृति मंत्रालय ने कहा है कि ये खोज मिनोअन सभ्यता के दौर के शानदार महलों, कला और रहस्यमय लेखन प्रणाली को समझने में मददगार साबित होगी। ये इमारत ऊपर से देखने पर एक विशाल कार के पहिये जैसी दिखती है। 1,800 वर्ग मीटर करीब ( 19,000 वर्ग फुट ) की यह खंडहर इमारत एक भुलभुलैया की तरह नजर आ रही है। पुरातत्वविदों को अभी तक यह नहीं पता चला है कि पहाड़ी की चोटी की संरचना किस लिए थी। विशेषज्ञों का अनुमान है कि चोटी का इस्तेमाल किसी अनुष्ठान या धार्मिक समारोह के लिए किया जाता होगा। 1.7 मीटर करीब ( 5.6 फीट ) ऊंची आठ चरणबद्ध पत्थर की दीवारों से घिरा, आंतरिक संरचना छोटे, परस्पर जुड़े स्थानों में विभाजित।

मंत्रालय के बयान में कहा गया है कि इमारत देखने से ऐसा नहीं लगता है कि यह कोई घर रहा होगा और इसके अंदर से बड़ी मात्रा में जानवरों की हड्डियां भी मिली। इसका इस्तेमाल समय-समय पर भोजन, शराब और शायद धार्मिक प्रसाद से जुड़े अनुष्ठान समारोहों के लिए किया जाता रहा होगा। ग्रीस की संस्कृति मंत्री लीना मेंडोनी ने कहा कि इस खोज को संरक्षित किया जाएगा जबकि रडार स्टेशन के लिए एक अलग स्थान की तलाश की जाएगी। उन्होंने कहा कि हम सभी सांस्कृतिक विरासत के मूल्य और महत्व को समझते हैं।

मंत्रालय ने कहा कि इमारत का इस्तेमाल मुख्य रूप से 2000 और 1700 ईसा पूर्व किया गया था, जब क्रेते के पहले महलों को बनाया जा रहा था। इसमें नोसोस और फिस्टोस शामिल थे। इसमें कहा गया है कि इसकी कुछ विशेषताएं मिनोअन मधुमक्खी के छत्ते वाली कब्रों की तरह थीं, जिनके शीर्ष पर सीढ़ीदार शंक्वाकार छतें थीं, और ग्रीस के अन्य हिस्सों में दफन थे। मंत्रालय ने कहा कि अब तक हवाई अड्डे और इसके सड़क बनाने के काम के दौरान कम से कम 35 अन्य पुरातात्विक स्थलों का पता चला है।

# टीएमसी सांसद यूसुफ पठान के खिलाफ लैंड ग्रैबिंग एक्ट के तहत केस दर्ज करने की मांग

वडोदरा (ईएमएस)। पश्चिम बंगाल के बहेरामपुर से नवनिर्वाचित सांसद और क्रिकेट यूसुफ पठान की मुश्किलें बढ़ सकती है। वडोदरा के तांदलजा में सरकारी जमीन पर गैरकानूनी कब्जे को लेकर भाजपा के नगर पार्षद नीतीन दोंगा ने यूसुफ पठान के खिलाफ लैंड ग्रैबिंग के तहत केस दर्ज करने की मांग की है। इस संदर्भ में भाजपा पार्षद नीतीन दोंगा ने वडोदरा महानगर पालिका (वीएमसी) आयुक्त से पेशकश कर यूसुफ पठान के खिलाफ लैंड ग्रैबिंग एक्ट के तहत केस दर्ज करने की मांग की है। नीतीन दोंगा का आरोप है कि यूसुफ पठान ने वीएमसी 10523 वर्ग फूट के भूखंड पर गैरकानूनी रूप से कब्जा कर लिया है। जबकि राज्य सरकार ने वर्ष 2014 में यूसुफ पठान को आवंटित भूखंड की मांग को नामंजूर कर दिया था। मेरी स्पष्ट मांग है कि सांसदों को पहले देश के कानून का पालन करना होगा क्योंकि वही नए कानून बनाते हैं। लेकिन सांसद ही उल्लंघन कर रहे हैं। नीतीन दोंगा ने कहा कि यूसुफ पठान ने अपने चुनावी हलफनामे में प्लॉट पर अपना मालिकाना हक भी दिखाया है। इसलिए यह कृत्य 100 प्रतिशत गलत है तो एक नजीर बने ऐसी कानूनी कार्रवाई की जानी चाहिए। मेरी मांग है कि पूरे मामले में लैंड ग्रैबिंग एक्ट के तहत केस दर्ज कर कार्यवाही की जाए। इस मामले में वीएमसी के आयुक्त दिलीप राणा ने कहा कि यूसुफ पठान को महानगर पालिका ने 10 दिन के भीतर भूखंड खाली करने का नोटिस जारी किया है। अगर यूसुफ पठान भूखंड खाली नहीं करते हैं तो महानगर पालिका गैरकानूनी अतिक्रमण हटाकर उसका कब्जा लेगी। गौर करनेवाली बात यह है कि यूसुफ पठान ने चुनावी हलफनामे में इस भूखंड को अपनी मालिकी का बताया है।

# पत्नी को डराने के लिए फर्जी निलंबन पत्र भेजने वाले पुलिस कांस्टेबल पहुंचा जेल

भरुच (ईएमएस) भरुच पुलिस में सेवारत एक कांस्टेबल ने पत्नी को डराने के लिए पुलिस अधीक्षक के हस्ताक्षर वाला एक फर्जी निलंबन पत्र भेज दिया। इस मामले का खुलासा होने के बाद पुलिस कांस्टेबल के खिलाफ केस दर्ज कर उसे गिरफ्तार कर आगे की कार्यवाही शुरू की गई है। जानकारी के मुताबिक भरुच पुलिस अधीक्षक कार्यालय में कार्यरत के.डी. पटेल ने भरूच बी डिवीजन पुलिस में एक शिकायत दर्ज कराई है जिसमें उन्होंने आरोप लगाया है कि भरुच के पुलिस उपाधीक्षक कचहरी में बतौर कंप्यूटर ऑपरेटर सेवारत पुलिस कांस्टेबल महेश कुमार अर्शीभाई सोलंकी ने 2 जून 2024 को डयूटी के दौरान पुलिस अधीक्षक मयूर चावड़ा के हस्ताक्षर को स्वयं कंप्यूटरीकृत और मुद्रित किया और अपने मोबाइल से अपनी पत्नी पिंटुबेन हरिभाई गोहिल जो गिर सोमनाथ जिले के सूत्रपाड़ा पुलिस स्टेशन में एक महिला पुलिस कांस्टेबल के रूप में काम करती हैं, उन्हें भेज दिया। भरूच में डयूटी पर तैनात पुलिस कांस्टेबल महेश सोलंकी ने पत्नी से झगड़ा करने के कारण उसे डराने-धमकाने के लिए पुलिस अधीक्षक के गलत हस्ताक्षर से गलत आदेश निलंबन पत्र तैयार कर उसे अपनी पत्नी के मोबाइल पर पीडीएफ के रूप में भेजने का अपराध कबूल कर लिया। यह दर्शाने के लिए कि उसे निलंबित कर दिया गया है। इस मामले की बी डिवीजन पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज की गई है। पुलिस ने लोकरक्षक पुलिस कांस्टेबल के खिलाफ आईपीसी की धारा 465,468,471,201 के तहत अपराध दर्ज किया और महेश सोलंकी को गिरफ्तार कर लिया और कानूनी कार्रवाई शुरू की है।

# एक ही परिवार के चार लोगों की मौत, मचा कोहराम

सूरत, १५ जून।

गुजरात से आए दिन खौफ नाक घटनाएं सामने आती रहती हैं। हाल ही में एक हादसे में एक ही परिवार के ४ लोगों ने जान गंवा दी है। मौत के पीछे का कारण कर्ज बताया जा रहा है लेकिन अभी सही कारण सामने नहीं आया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है और शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है।

गुजरात में एक ही परिवार से चार लोगों की मौत की खबर सामने आई है। बता दें कि सूरत के जहांगीरपुरा इलाके में एक ही परिवार के चार सदस्य मृत पाए गए। मृतकों की पहचान जसु केशुभाई वधेर, हीरा रत्नाभाई मेवाड़ा, गौरी हीराभाई मेवाड़ा और शांता नानजीभाई वधेर के रूप में हुई है, सभी की उम्र ५५ साल या उससे अधिक है। घटना की कार्रवाई करते हुए, जहांगीरपुरा पुलिस मौके पर पहुंची और जहांगीरपुरा में राजन रेजीडेंसी में तीन महिलाओं और एक बुजुर्ग व्यक्तिको मृत पाया।

मौत के पीछे का सही कारण अभी सामने नहीं आया है। घटना को लेकर स्थानीय लोगों का कहना है कि, परिवार कर्ज में डूबा हुआ था, जिस वजह से ये हादसा हुआ, लेकिन अभी तक मौत का सही कारण सामने नहीं आया है। पुलिस ने शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। मामले की जांच की जा रही है।

गुजरात में आए दिन ऐसी घटनाएं होती रहती हैं, हाल ही में गुजरात के पंचमहल जिले के सिमालिया गांव में एक कुएं में गिरने से पांच साल की बच्ची सहित तीन लड़कियां डूब गईं थी। पुलिस ने इस घटना की जानकारी दी थी। नाबालिग जब काफी देर तक घर नहीं लौटी तो पुलिस ने घटना को संज्ञान में लिया और नाबालिग के शव कुंए में मिले।

# पीएम मोदी का एक-एक पल और एक-एक मिनट जनता की सेवा के लिए तत्पर : मुख्यमंत्री

- श्री सवा फाउंडेशन द्वारा आयोजित द रीयल हीरोज अवॉर्ड समारोह में भूपेंद्र पटेल की उपस्थिति

अहमदाबाद (ईएमएस)। मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल अहमदाबाद में शुक्रवार को श्री सवा फाउंडेशन द्वारा आयोजित द रीयल हीरोज अवॉर्ड समारोह में उपस्थित रहे। इस समारोह में समाज के लिए उदाहरणीय कार्य करने वाली लगभग 15 संस्थाओं को रीयल हीरोज अवॉर्ड प्रदान किया गया। इस समारोह में मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने सामाजिक जीवन में विभिन्न क्षेत्रों में सेवा प्रदान करने वाले रीयल हीरोज को अभिनंदन देते हुए कहा कि कर्म हमारी संस्कृति है। हम सभी को कर्म में अधिक विश्वास है। जब हम कर्म अच्छे करते हैं, तब उसका फल अवश्य ही मिलता है। जब हमें कर्म का फल मिल जाता है, तभी से एक नए कर्म का आरंभ भी हो जाता है। इसलिए हर किसी को अच्छे कर्म निरंतर करते रहना चाहिए। पटेल ने आगे कहा कि हमारे समक्ष ऐसे कई उदाहरण भी हैं कि जिनके पास कुछ भी नहीं है, वे व्यक्ति भी आज छोटे से छोटे व्यक्ति का विचार करते हैं और अच्छा कर्म करते हैं तथा यही हमारी संस्कृति भी है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के सेवा कार्यों का उल्लेख करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि पीएम मोदी एक-एक पल और एक-एक मिनट जनता की सेवा के लिए तत्पर हैं। नरेन्द्र मोदी हमेशा कहते आए हैं, ''मैं भारत देश के लिए 24 घण्टे अर्थात् एक-एक पल देश के विकास के लिए कार्य करने को तत्पर हूँ। नरेन्द्र मोदी की इस सेवा भाव के कारण ही आज देश के सभी क्षेत्रों में विकास हुआ है।'' श्री सवा फाउंडेशन की संस्थापक सुश्री अमी मोदी ने इस पुरस्कार वितरण कार्यक्रम के विषय में कहा कि पहली बार इस प्रकार से कार्यक्रम का आयोजन किया गया है। जिन्हें अवॉर्ड दिए गए हैं, वे सभी लोग समाज के रीयल हीरो हैं और उन्हें उन्हीं के कार्यों के लिए सम्मानित किया गया है। यह अवॉर्ड उनके कामकाज का प्रतिफल नहीं है, बल्कि ये सभी लोग पर्दे के पीछे रह कर लोगों की सेवा के लिए निरंतर कार्य कर रहे हैं और उन्हें सराहने के लिए यह कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसके अलावा इस कार्यक्रम में 15 फ़ाउण्डेशंस को 50 हजार रुपए के चेक भी वितरित किए गए। यह उल्लेखनीय है कि समाज के लिए कुछ कर गुजरने वाले एवं निस्स्वार्थ भाव से सेवा करने वाले लोगों के लिए पहली बार द रीयल हीरोज अवॉर्ड कार्यक्रम बोडकदेव क्षेत्र में आयोजित हुआ। कार्यक्रम में समाज के लिए उदाहरणीय कार्य करने वाली संस्थाओं को अवॉर्ड दिए गए। इस अवसर पर सामाजिक अग्रणी, विभिन्न क्षेत्रों के महानुभाव एवं संस्था से जुड़े लोग बड़ी संख्या में में उपस्थित रहे।

# अपार्टमेंट में 3 बहनों समेत चार लोगों की मौत, गुजरात के सूरत में ये कैसी अनहोनी?

सूरतः गुजरात के सूरत शहर में सनसनीखेज घटना सामने आई है। शहर के एक अपार्टमेंट में शनिवार को 58 साल की एक महिला, उसकी दो बहन और बहनोई मृत मिले। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस उपायुक्त (डीसीपी) आरपी बारोट ने बताया कि प्रथम दृष्टया गैस से चलने वाले गीजर को चालू छोड़ने के कारण दम घुटने से मौत होने की आशंका है। मौत के वास्तविक कारणों का हालांकि अभी कारण पता नहीं चल पाया है। उन्होंने बताया कि पुलिस को सुबह नौ बजे के आस-पास शवों के बारे में सूचना मिली।

सूरत के डीसीपी बारोट ने बताया कि फ्लैट मालिक जसुबेन वधेल, उनकी बहन शांताबेन बधेल (53), गौरीबेन मेवाड़ (55) और गौरीबेन के पति हीराभाई (60) के शव अपार्टमेंट में पाए गए। उन्होंने बताया कि पीड़ित शुक्रवार रात करीब 10 बजे सो गए थे। बारोट ने कहा कि जसुबेन का बेटा शनिवार सुबह करीब आठ बजे उन्हें देखने गया और उन्हें बेहोश पाते ही पुलिस को सूचना दी।

बताया गया कि पीड़ितों ने उल्टी की थी। घटनास्थल से सैंपल जांच के लिए भेजे गए हैं और शवों को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया गया है। उन्होंने बताया कि हालांकि मौत का वास्तविक कारण अभी पता नहीं लगा है, लेकिन पीड़ितों की मौत दम घुटने के कारण होने की आशंका है, क्यूंकि वहां गैस से संचालित गीजर चल रहा था। बारोट ने कहा कि आत्महत्या की आशंका कम है, लेकिन पुलिस सभी पहलुओं पर जांच कर रही है।

# *गुजरात शिक्षा बोर्ड का कक्षा 9 और 11वीं के फेल विद्यार्थियों को लेकर बड़ा फैसला*

अहमदाबाद (ईएमएस) गुजरात माध्यमिक एवं उच्च माध्यमिक शिक्षा बोर्ड ने कक्षा 9 और कक्षा 11 के फेल विद्यार्थियों को लेकर बड़ा फैसला किया है। जिसके मुताबिक कक्षा 9 और कक्षा 11 में फेल विद्यार्थियों के लिए नए सत्र के 15 दिन के भीतर दोबारा परीक्षा का आयोजन किया जाएगा और उसमें उत्तीर्ण होनेवाला विद्यार्थी अगली कक्षा प्रमोट किया जा सकेगा। इस प्रकार राज्य सरकार के शिक्षा विभाग ने फेल छात्रों को बड़ी खुशखबरी दी है। कक्षा 9 और कक्षा 11वीं में फेल होने वाले छात्रों को दोबारा परीक्षा के आधार पर अगले साल के लिए पास किया जा सकता है। नया सत्र शुरू होने के 15 दिन के अंदर दोबारा परीक्षा करानी होगी। पुनः परीक्षा के परिणाम के आधार पर कक्षा में प्रोन्नति दी जायेगी। यह निर्णय माध्यमिक एवं उच्च माध्यमिक शिक्षा बोर्ड ने लिया है। वहीं दूसरी ओर 10वीं और 12वीं की सप्लीमेंट्री परीक्षा को लेकर एक अहम खबर है। कक्षा 10 और 12 की पूरक परीक्षा आयोजित की जाएगी। 24 जून से 6 जुलाई कक्षा के दौरान 10वीं और 12वीं की पूरक परीक्षा आयोजित की जाएगी। जिसमें 20 हजार विद्यार्थी यह परीक्षा देने वाले हैं। परीक्षा देने वाले विद्यार्थियों में 12वीं कक्षा के विज्ञान संकाय के विद्यार्थियों की संख्या पिछले वर्ष की तुलना में अधिक है। जबकि कक्षा 10वीं के 10578 छात्र पूरक परीक्षा देंगे। इसी प्रकार 12वीं कक्षा के सामान्य स्ट्रीम में 6455 छात्र परीक्षा में शामिल होंगे। 12वीं कक्षा के विज्ञान संकाय में 2753 छात्र परीक्षा देंगे। परीक्षा के लिए 49 केंद्रों पर पूरक परीक्षा का आयोजन किया गया है।

# ट्रेक्टर की चपेट में आए बाइक सवार एक युवक की मौत, एक घायल

भरुच (ईएमएस) नेत्रंग-राजपीला रोड पर ट्रेक्टर की चपेट में आए मोटर साइकिल सवार दो युवकों में से एक की मौत हो गई। जबकि दूसरे घायल युवक का अस्पताल में उपचार चल रहा है। नेत्रंग पुलिस ने ट्रेक्टर चालक के खिलाफ केस दर्ज कर मामले की जांच शुरू की है। जानकारी के मुताबिक भरुच जिले की झगड़िया तहसील के झरिया गांव निवासी नटु छत्रसिंह वसावा का 17 वर्षीय पुत्र अविनाश वसावा अपने दोस्त राहुल शांतिलाल के साथ प्रवीण वसावा की बाइक पर उसके भांजे को लेने नेत्रंग जा रहा था। रास्ते में नेत्रंग-राजपीपला रोड पर भोटनगर के निकट तेज रफ्तार ट्रेक्टर ने बाइक सवार युवकों को अपनी चपेट में ले लिया। इस हादसे में अविनाश और राहुल बुरी तरह घायल हो गए। गंभीर हालत में दोनों को एक निजी वाहन में नेत्रंग के सामूहिक स्वास्थ्य केन्द्र पहुंचाया गया। जहां उपचार के दौरान अविनाश वसावा की मौत हो गई। नेत्रंग पुलिस ने ट्रेक्टर चालक के खिलाफ केस दर्ज कर मामले की जांच शुरू की है।

# राज्य में 20 जून से ग्रीष्मकालीन मूंग की समर्थन मूल्य पर खरीद शुरू होगी : कृषि मंत्री

अहमदाबाद (ईएमएस)। ग्रीष्मकालीन फसलों की खरीदी को लेकर राज्य सरकार ने एक महत्वपूर्ण निर्णय लिया गया है। जिसके मुताबिक आगामी 20 जून से राज्य भर में ग्रीष्मकालीन मूंग की समर्थन मूल्य पर खरीद शुरू होगी। इसके अंतर्गत लगभग 108 करोड़ रुपये की 12,633 मीट्रिक टन फसल किसानों से समर्थन मूल्य पर खरीदी जाएगी। कृषि मंत्री राघवजी पटेल ने यह जानकारी देते हुए बताया कि कि गुजरात सरकार ने राज्य के किसानों के हित में एक और महत्वपूर्ण फैसला लिया है। मूंग के क्षेत्रफल-उत्पादन को ध्यान में रखते हुए 45 क्रय केन्द्र अधिसूचित किये गये हैं। इसके साथ ही वर्ष 2023-24 के लिए मूंग फसल का समर्थन मूल्य रु. 8,558 प्रति क्विंटल निर्धारित किया गया है। कृषि मंत्री ने बताया कि ग्रीष्मकालीन मूंग की समर्थन मूल्य पर खरीदी 20 जून से शुरू होगी। राज्य भर के किसानों से समर्थन मूल्य पर करीबन 108 करोड़ रुपये मूल्य की 12,633 मीट्रिक टन की खरीद का अनुमान है। ग्रीष्मकालीन मूंग की समर्थन मूल्य पर खरीदी के लिए किसानों का पंजीयन 14 जून से प्रारंभ कर दिया गया है। उन्होंने आगे कहा कि वर्तमान में राज्य के विभिन्न ए.पी.एम.सी. चूंकि मूंग की फसल का औसत बाजार मूल्य किसानों की लागत कीमत के मुकाबले उम्मीद से थोड़ा कम है, इसलिए सरकार राज्य में किसी भी किसान को वित्तीय नुकसान से बचाने के लिए ग्रीष्मकालीन मूंग को समर्थन मूल्यपर खरीदेगी। यह सुनिश्चित करने के लिए कि किसानों को ग्रीष्मकालीन मूंग की कम कीमत के मुकाबले उचित मूल्य मिले। भारत सरकार द्वारा वर्ष 2023-24 के लिए मूंग फसल का समर्थन मूल्य 8,558 प्रति क्विंटल निर्धारित किया गया है।

# रथ यात्रा और बकरीद को लेकर नवापुरा पुलिस स्टेशन में हुई शांति समिति की बैठक

वडोदरा :पुलिस पदाधिकारी द्वारा दोनों त्योहारों को शांतिपूर्ण माहौल में सांप्रदायिक सौहार्द एवं विधि-व्यवस्था बनाये रखने का निर्देश दिया गया आगामी रथ यात्रा और बकरीद त्योहार को लेकर शहर के विभिन्न इलाकों के पुलिस स्टेशनों में पुलिस आयुक्त के मार्गदर्शन में शांति समिति की बैठकें आयोजित की जा रही हैं। फिर सहायक पुलिस आयुक्त सी डिवीजन ए.पी. राठवा की अध्यक्षता में नवापुरा पीआई एच.एल. आहीर और रावपुरा पुलिस निरीक्षक बी.आर.गौड़ के नेतृत्व में आगामी रथ यात्रा और बकरीद को लेकर 12 जून को नवापुरा और रावपुरा पुलिस थाना क्षेत्र के अग्रणियों और शांति समिति के सदस्यों के साथ बैठक हुई।

जिसमें रथ यात्रा एवं बकरीद का त्योहार शांतिपूर्वक मनाया जा सके और कोई अप्रिय घटना न हो तथा सांप्रदायिक एकता कायम रहे, इस पर चर्चा की गयी। पुलिस पदाधिकारी द्वारा दोनों त्योहारों को शांतिपूर्ण माहौल में सांप्रदायिक सौहार्द एवं विधि-व्यवस्था बनाये रखने का निर्देश दिया गया।

# मेट्रो स्टेशन से कूद युवक ने की आत्महत्या

अहमदाबाद (ईएमएस) शहर के पूर्वी क्षेत्र वस्त्राल क्षेत्र के मेट्रो स्टेशन से कूदकर एक होनहार युवक ने जान दे दी। घटनास्थल पर पहुंची रामोल पुलिस ने मृतक के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। प्राथमिक जांच में युवक आर्थिक संकट से जूझ रहा था और संभवतः इसी वजह से उसने आत्महत्या का रास्ता अपनाया। जानकारी के मुताबिक पूर्वी अहमदाबाद के वस्त्राल क्षेत्र में महादेवनगर मेट्रो स्टेशन से 20 वर्षीय ध्रुव परमार नामक युवक ने मौत की छलांग लगा दी। इस घटना में युवक की मौके पर ही मौत हो गई। खबर पाते ही रामोल पुलिस घटनास्थल पर पहुंच गई और मृतक के शव पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल भेज दिया। प्राथमिक जांच में पता चला कि मृतक ध्रुव परमार शहर के अमराईवाडी क्षेत्र की कादरी वकील की चाली में रहता था और पिछले काफी समय से आर्थिक तंगी के परेशान चल रहा था। संभवतः इसी कारण ध्रुव परमार ने मेट्रो स्टेशन से कूदकर अपनी जान दे दी। रामोल पुलिस ने दुर्घटना मौत का केस दर्ज कर ध्रुव के आत्महत्या के कारणों का पता लगाने की दिशा में जांच शुरू की है।

# वड़ोदरा स्टेशन पर कुछ ट्रेनों के आगमन-प्रस्थान के समय में आंशिक परिवर्तन

वड़ोदरा स्टेशन पर कुछ ट्रेनों के आगमन-प्रस्थान के समय में आंशिक परिवर्तन किया गया है। ट्रेनों का विवरण इस प्रकार हैः

ट्रेन संख्या 19010 बाड़मेर - बांद्रा टर्मिनस हमसफर का दिनांक 23.06.2024 से वड़ोदरा स्टेशन पर आगमन-प्रस्थान का समय 09:38/09:48 बजे के स्थान पर 09:38/09:43 बजे रहेगा।

ट्रेन संख्या 20483 भगत की कोठी - दादर सुपरफास्ट का दिनांक 18.06.2024 से तथा ट्रेन संख्या 12489 बीकानेर - दादर सुपरफास्ट का दिनांक 19.06.2024 से वड़ोदरा स्टेशन पर आगमन-प्रस्थान का समय 06:40/07:00 बजे के स्थान पर 06:40/06:45 बजे रहेगा।

ट्रेन संख्या 14805 यशवंतपुर - बाड़मेर एक्सप्रेस का दिनांक 18.06.2024 से वड़ोदरा स्टेशन पर आगमन-प्रस्थान का समय 16:26/16:33 बजे के स्थान पर 16:26/16:31 बजे रहेगा।

ट्रेन संख्या 14806 बाड़मेर - यशवंतपुर एक्सप्रेस का दिनांक 21.06.2024 से वड़ोदरा स्टेशन पर आगमन-प्रस्थान का समय 08:48/09:08 बजे के स्थान पर 08:48/08:53 बजे रहेगा।

ट्रेनों के परिचालन समय, ठहराव और संरचना से सम्बंधित विस्तृत जानकारी के लिए यात्री .enquiry .indåian rail.gov.in पर जाकर अवलोकन कर सकते हैं।

# बोरवेल में गिरी बच्ची को १७ घंटे की जद्दोजहद के बाद भी नहीं बचा सके

## रेस्क्यू ऑपरेशन में राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया बल, अमरेली अग्निशमन दल और १०८ एम्बुलेंस सेवा के कर्मी संयुक्तरूप से अभियान में लगे रहे।

अहमदाबाद, १५ जून।

गुजरात के अमरेली में डेढ़ साल की बच्ची करीब ५०० फीट गहरे बोरवेल में गिरी। उसे बचाने के लिए प्रशासन की टीमों ने तुरंत बचाव कार्य शुरू किया। १७ घंटे चले रेस्क्यू ऑपरेशन के बाद मासूम को बोरवेल से बाहर निकाला जा सका मगर यमराज से १७ घंटे तक लड़ बाहर आने पर जिंदगी की जंग हारी बच्ची।

गुजरात के अमरेली जिला के सूरजपुरा गांव में करीब ५०० फीट गहरे बोरवेल में गिरी डेढ़ साल की मासूम बच्ची की मौत हो गई। बच्ची को बचाने के लिए प्रशासन ने १७ घंटों तक रेस्क्यू ऑपरेशन चलाया।

पीड़िता की पहचान आरोही के रूप में हुई, जो शुक्रवार दोपहर करीब १२.३० बजे खेलते-खेलते खुले बोरवेल में गिर गई थी। १७ घंटे के लंबे बचाव प्रयास के बाद, शनिवार तड़के बच्ची को बेहोशी की हालत में बोरवेल से बाहर निकाला गया। बोरवेल से बाहर निकाले जाने के बाद बच्ची को सिविल अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

बच्ची को बोरवेल से जिंदा निकालने केलिए घंटों रेस्क्यू ऑपरेशन चलाया गया। चारों तरफ उसके बचने की दुआएं मांगी जा रही थी। रेस्क्यू ऑपरेशन में राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया बल, अमरेली अग्निशमन दल और १०८ एम्बुलेंस सेवा के कर्मी संयुक्तरूप से अभियान में लगे रहे। रेस्क्यू ऑपरेशन को शुक्रवार दोपहर १२.३० बजे शुरू किया गया। जो शनिवार सुबह तक जारी रहा।

किस्मत को कुछ और ही मंजूर था। १६-१७ घंटों की कड़ी मशक्कत के बाद भी बच्ची को बचाया नहीं जा सका। बोरवेल से निकालने के बाद बच्ची को तुरंत अमरेली सिविल अस्पताल ले जाया गया जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित किया। बचाव अभियान के शुरुआती घंटों के दौरान बच्ची के शरीर में कोई हलचल नहीं दिख रही थी, लेकिन फिर भी उसे जीवित रखने के लिए १०८ एम्बुलेंस सेवा दल के माध्यम से ऑक्सीजन प्रदान की गई। स्थानीय अग्निशमन विभाग ने घटना की सूचना मिलने के बाद तुरंत बचाव अभियान शुरू किया। उन्होंने बताया कि बाद में गांधीनगर से राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया बल की टीम अभियान में शामिल हुई।

गांधीनगर से एनडीआरएफ की एक टीम शुक्रवार रात १०.२० बजे घटनास्थल पर पहुंची और अभियान शुरू किया। एनडीआरएफ ने बताया कि बोरवेल ५०० फीट गहरा था और उसमें गिरने के बाद बच्ची करीब ५० फीट की गहराई पर फंस गई। बच्ची को सुबह करीब ५ बजे बेहोशी की हालत में बाहर निकाला गया। इस घटना के बाद केंद्रीय मंत्री प्रफुल्ल पंशेरिया ने गुजरात के लोगों से खुले बोरवेल को बंद करने की अपील की।

लोगों से खुले बोरवेल की सूचना सरकार को देने का अनुरोध किया। उन्होंने कहा, ''मैं गुजरात के सभी लोगों से अनुरोध करता हूं कि अगर आप बोरवेल बंद नहीं कर सकते हैं तो कृपया हमें सूचित करें। हमें एक संदेश भेजें या हमें एक पत्र भेजें। मानवता के लिए काम करें।'' मंत्री ने चार महीने पहले द्वारका में हुई इसी तरह की घटना के बाद इसी तरह की कार्रवाई पर जोर दिया। उस समय करीब ३५-४० बोरवेल बंद किए हए थे और मुख्यमंत्री ने खुले बोरवेल के संबंध में पत्र भी जारी किया था। इसी तरह की एक घटना राजस्थान के अलवर जिले में भी हुई थी, जहां लक्ष्मणगढ़ इलाके के कनवाड़ा गांव में एक पांच साल का बच्चा ४० फीट गहरे बोरवेल में गिर गया था। हालांकि

# राजकोट अग्निकांड मामले में गेमिंग जोन का मालिक गिरफ्तार

राजकोट, १५ जून।

पुलिस ने राजकोट के गेमिंग जोन में के सह-मालिक को गिरफ्तार किया है। राजकोट गेम जोन में पिछले महीने आग लगने से २७ लोगों की मौत हो गई थी। एक अधिकारी ने शुक्रवार को कहा इस मामले में गिरफ्तारियों की संख्या १० हो गई है। अधिकारी ने बताया कि टीआरपी गेम जोन के छह मालिकों में से एक अशोक सिंह जडेजा ने पुलिस के सामने आत्मसमर्पण कर दिया।

पुलिस ने राजकोट के गेमिंग जोन में के सह-मालिक को गिरफ्तार किया है। राजकोट गेम जोन में पिछले महीने आग लगने से २७ लोगों की मौत हो गई थी। एक अधिकारी ने शुक्रवार को कहा इस मामले में गिरफ्तारियों की संख्या १० हो गई है।

अधिकारी ने बताया कि टीआरपी गेम जोन के छह मालिकों में से एक अशोक सिंह जडेजा ने गुरुवार शाम पुलिस के सामने आत्मसमर्पण कर दिया। गुजरात के राजकोट में २५ मई को गमिंग जोन में आग लगने के बाद से वह फरार हो गया था। राजकोट पुलिस ने शुक्रवार को पुष्टि की है।

# ट्रैफिक नियमों का उल्लंघन करनेवाले लोगों के ड्राइविंग लाइसंस होंगे रद्द

सूरत (ईएमएस) शहर में रोंग साइड में वाहन चलाने समेत ट्रैफिक नियमो का उल्लंघन करनेवाले लोगों की अब खैर नहीं है। सूरत में ट्रैफिक नियमों को ऐसी तैसी करने वालों के खिलाफ पुलिस सख्ती से कार्यवाही कर रही है। ऐसे में गृह राज्यमंत्री हर्ष संघवी ने ट्रैफिक नियमों का उल्लंघन करने वालों के लाइसंस रद्द करने का आदेश दिया है। दरअसल सूरत में ट्रैफिक समस्याओं से निपटने के लिए 62 करोड़ रुपए की लागत से शहर के 118 ट्रैफिक जंक्शनों पर इंटिग्रेटेड ट्रैफिककंट्रोल सिस्टम शुरू किए गए हैं। गृह राज्यमंत्री और सूरत के मजूरा निर्वाचन क्षेत्र के विधायक हर्ष संघवी ने ट्रैफिक कंट्रोल रूम का दौरा किया। ट्रैफिक सिग्नल लगने और ट्रैफिक नियमों के पालन के चलते शहर में दुर्घटना की संख्या में कमी आई है।

# नागरिक सरकार के साथ विकास कार्यों में सहभागी होते हैं तो विकास की गति दुगुनी हो जाती है:मुख्यमंत्री

मेहसाणा (ईएमएस) मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने मेहसाणा जिले के कोचवा गांव में जिला शिक्षा समिति द्वारा संचालित और अविराज चैरिटेबल फाउंडेशन द्वारा निर्मित स्कूल के लोकार्पण समारोह में कहा कि आजादी के बाद लगातार समरस गांव का निर्माण कर कोचवा गांव ने अन्य गांवों के लिए एक प्रेरक मिसाल कायम की है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री ने पिछले कई दशकों के बाद लगातार तीसरी बार प्रधानमंत्री पद की शपथ लेकर राज्य में डबल इंजन की सरकार के जरिए जनता को अनेक विकास कार्यों की भेंट दी है। उन्होंने कहा कि यदि नागरिक सरकार के साथ विकास कार्य में सहभागी होते हैं, तो विकास की गति दुगुनी हो जाती है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री की 'सबका साथ, सबका विकास और सबका प्रयास' की परिकल्पना के अनुसार सभी को साथ लेकर चलने की कार्य पद्धति को आज कोचवा गांव ने पूरा कर दिखाया है। पटेल ने आगे कहा कि दानदाता परिवार मातृभूमि का ऋण अदा कर अन्य दानदाताओं के लिए प्रेरणास्त्रोत बन गया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि आज तेजी से बढ़ रही ग्लोबल वॉर्मिंग के प्रभाव से बचने के लिए ग्रामीणों को पौधारोपण करना चाहिए। एक नागरिक के रूप में सभी को अधिकाधिक पौधे लगाकर अपने कर्तव्य का पालन कर हरे-भरे गांव का निर्माण करने का संकल्प लेकर कोचवा गांव को कंचनपुर गांव बनाने की पहल करनी चाहिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री ने 'बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ' जैसे सामाजिक अभियान के माध्यम से महिला सशक्तिकरण की नींव रखी है, जिसे राज्य सरकार लगातार आगे बढ़ा रही है। उन्होंने कहा कि कक्षा 9 से 12 में पढ़ाई करने वाली बेटियों के लिए 'नमो लक्ष्मी' योजना की शुरुआत की है। इस योजना के अंतर्गत बेटियों को वार्षिक 50,000 रुपए की सहायता प्राप्त होगी, जिससे बेटियां सशक्त बनकर मजबूत राष्ट्र के निर्माण में अपनी और अधिक भागीदारी दर्ज कर सकेंगी। उन्होंने आगे कहा कि तत्कालीन मुख्यमंत्री नरेन्द्र मोदी ने वर्ष 2003 में वाइब्रेंट गुजरात सम्मेलन के जरिए राज्य में औद्योगिक विकास की शुरुआत की है। औद्योगिक क्षेत्र में देश और दुनिया में गुजरात का महत्व लगातार बढ़ रहा है। इसके चलते 100 से अधिक फॉर्च्यून 500 कंपनियां गुजरात में काम कर रही हैं। राज्य में रोजगार सृजन के लिए कौशल विकास को बढ़ावा देने के लिए 'नमो सरस्वती' योजना भी शुरू की गई है। इस योजना के अंतर्गत कक्षा 11 और 12 में विज्ञान संकाय में अध्ययनरत बेटे-बेटियों को आर्थिक सहायता देने की शुरुआत की गई है। मुख्यमंत्री ने कहा कि कंचनपुर कोचवा गांव मॉडल गांव बनकर अन्य गांवों को भी प्रेरणा दे रहा है।

# डेडियापाडा में दो बाइकों के बीच टक्कर में एक की मौत, दो महिलाएं बुरी तरह घायल

नर्मदा (ईएमएस) जिले के डेडियापाडा में दो मोटर साइकिलों के बीच जबर्दस्त टक्कर में एक युवक की मौत हो गई। जबकि दो महिलाएं गंभीर रूप से घायल हो गईं। डेडियापाडा पुलिस ने मामला दर्ज कर आगे की कार्यवाही शुरू की है। जानकारी के मुताबिक नर्मदा जिले के डेडियापाडा में बोम्बे कंपनी और देवीपाडा गांव के बीच एक मोड पर दो मोटर साइकिलों की बीच जबर्दस्त टक्कर हो गई। इस हादसे में 18 वर्षीय दीपक महेश वसावा नामक युवक की मौत हो गई। जबकि ललिता डाभी और सेजल नामक दो महिलाएं बुरी तरह घायल हो गईं। मृतक दीपक वसावा सूरत जिले की उमरपाडा तहसील के वक्रांतआंबा क्षेत्र का निवासी था। डेडियापाडा पुलिस ने मृतक के पिता महेश रामाभाई वसावा की शिकायत के आधार पर दूसरी मोटर साइकिल के चालक के खिलाफ केस दर्ज कर मामले की जांच शुरू की है।

# वडोदरा मंडल पर पेंशन अदालत का सफल आयोजन

मंडल रेल प्रबंधक कार्यालय प्रतापनगर, वडोदरा मंडल पर वर्ष 2024 की प्रथम पेंशन अदालत का सफल एवं उत्साह पूर्वक आयोजन कार्मिक विभाग द्वारा किया गया। जिसमें अपर मंडल रेल प्रबंधक श्री शिवचरण बैरवा, वरिष्ठ मंडल कार्मिक अधिकारी श्री सुनील बिश्नोई, लेखा विभाग से सहायक मंडल वित्त प्रबंधक श्री बलराम मीना व अन्य अधिकारियों के साथ निपटारा विभाग, कल्याण अनुभाग के प्रभारियों की गरिमामय उपस्थिति के साथ पेंशन संगठन के पदाधिकारियों की मौजूदगी रही जिसमें एक पारिवारिक पेंशन इझ्ध, दो ईंण्ड पे फिक्सेशन की कॉपी एवं एक तलाकशुदा पुत्री को पारिवारिक पेंशन आदेश पत्र (इझ्ध) प्रदान किए गए एवं आनंद व रावपुरा पेंशन संगठन को प्रशस्ति पत्र प्रदान किए गये।

इस पेंशन अदालत कार्यक्रम में कुल 32 शिकायतें प्राप्त हुई जिनका उचित निपटारा किया गया।

मालिक, मुद्रक-प्रकाशक व सम्पादक : लक्ष्मीचन्द जी. अग्रवाल द्वारा ब्रिजाशा ऑफसेट, सरसपुर, अहमदाबाद में मुद्रित करवाकर, स्वेतप्रित बिल्डिंग, खासवाड़ी, बहुचराजी रोड़, वडोदरा से प्रकाशित किया। प्रातःकालीन E-mail: janhitaishi@yahoo.co.in Mob.9375504122 R.N.I. 64278/96